Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)
Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.
PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.
a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519
ISBN: 978-1-5313-1308-1

मरकुस

रचित सुसमाचार

ईसू क आवइ क तइयारी

(मत्ती ३ :१-१२ ; लूका ३ :१-९,
१५-१७ ; यूहन्ना १ :१९-२८)

१ १ परमेस्सर क पूत ईसू मसीह् क सुसमाचार *क
सुरुआत। २ जइसा अगवा होई, यसायाह् नबी
†कै किताब मँ लिखा अहइ : उ कहेस,
"सुन ल्या! मइँ (परमेस्सर) अपने सहायक ‡क
तोसे पहिले पठवत अही।
उ तोहरे बरे रस्ता बनाई।" ¶
३ "एक ठु मनई के चिल्लाय क अवाज उसरे मँ सुनि
लीन्ह:
'पर्भू क बरे रस्ता बनवा
अउर सोझ रस्ता तइयार करा।'" §
४ यूहन्ना उसरे मँ बपतिस्मा देत आइ। उ
लोगन स बपतिस्मा लेने क कहेस कि उ आपन
मनफिराव क दिखा सकइँ। अउर ओनके पापन्क
छमा होइ। ५ यरूसलेम अउ यहूदिया देस क सब
जने ओकरे निअरे गएन। जइसे उ सब आपुन्हि
पापन्क कबूलेन्ह, उ सब यरदन नदिया मँ ओसे
बपतिस्मा पाएन।
६ यूहन्ना ऊँटन्क बारेन्स बनवा बस्तर पहिरत
रहा, अउर करिहाउँ प खालि क पेटी बाँधत रहा।
उ टिड्डन्क अउर जंगली सहद खात रहा।
७ उ इ बात क प्रचार करत रहा : "मोरे पाछे
मोसे जिआदा एक ठु बरिआर मनई आई। मइँ
एँतना जोग्य नाहीं कि ओकरे सोझे खड़ा होइके
अउर निहुरिके ओकरे बधियउरी क फीता तलक
खोलि सकउँ। ८ मइँ तू पचन्क पानी स बपतिस्मा
देत अही मुला उ तू पचन्क पवित्तर आतिमा **स
बपतिस्मा देई।"

ईसू बपतिस्मा लिहेस

(मत्ती ३ :१३-१७ ; लूका ३ :२१-२२)

९ उ समइ ईसू नासरत स गलील आवा। हुवाँ
यूहन्ना रहा। ईसू ओसे यरदन नदिया मँ बपतिस्मा
लिहस। १० जइसे ही पानी स बाहेर आवत रह, उ
खुला भवा अकास देखेस। अउर पवित्तर आतिमा
कबूतरे क नाईं ओह प उतरी। ११ फिन अकासबानी
भइ : "तू मोर पूत, जेहका मइँ पियार करत हउँ।
मइँ तोहसे बहोत खुस हउँ।"

ईसू क परीच्छा लीन्ह गइ

(मत्ती ४ :१-११ ; लूका ४ :१-१३)

१२ तब तुरंतहि आतिमा ईसू क उसरे मँ पठएस।
१३ अउ उ उसरे मँ चालीस दिन तइँ रहा। उहइ
समइया मँ सइतान ओका भरमावत भवा रहा।
हुवाँ ईसू जंगली जनावर क संग रहा। जहाँ
सरगदूतन आइ क ओकर सेवा किहेन।

ईसू कछू चेलन क चुनेस

(मत्ती ४ :१२-१७ ; लूका ४ :१४-१५)

१४ ओकरे बाद यूहन्ना जेली मँ धाँध दीन्ह
गवा। फिन ईसू गालील मँ गवा अउर परमेस्सर
क सुसमाचार क प्रचार करत रहा। १५ उ कहेस,
"समइ पूरा होइ गवा परमेस्सर क राज्य नगिचे
अहइ। सब जने मनफिरावा अउर सुसमाचार मँ
बिसवास करा।"

ईसू कछू चेलन क चुनेस

(मत्ती ४ :१८–२२ ; लूका ५ :१–११)

१६ जब ईसू गलील झील क निअरे स होइ
के जात रहा। उ समौन ††अउर समौन क भाई
अन्द्रियास क निहारेस। उ दुइनउँ मछुआरा रहेन,
एह बरे उ सब जलिया क झीले मँ डारत रहेन।
१७ ईसू ओनसे कहेस, "आवा, अउर मोरे पाछे
आवा। मइँ तू पचन क कइसे मनई बटोरा जात

---

*१ :१ सुसमाचार परमेस्सर लोगन्क बरे रस्ता तइयार करेस ह कि ओनके पापन्क छमा कइ दीन्ह जाइ
अउ उ सब परमेस्सर क संग रहइ लागइँ।
†१ :२ नबी उ जउन परमेस्सर क बरे मँ बताएस, अउ अगवा क होइ ओकरे बरे मँ भी कहेस।
‡१ :२ सहायक सुसमाचार क लइ जाइवाला।
¶१ :२ उद्धृत मलाकी ३ :१
§१ :३ उद्धृत यसायाह ४० :३
**१ :८ पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, ईसू क आतिमा सहायक। परमेस्सर अउर ईसू स जुरी
भइ जउन मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।
††१ :१६ समौन समौन क दूसर नाउँ पतरस रहा।

हीं इ बात सिखाउब।" १८ तबहिं फउरन उ सब
आपनि जालिन्ह क छाँड़ि दिहन अउर ओकरे
पाछे आएन।
१९ तबहिं ईसू तनिक आगे झिलिया क तीरे
चलत-चलत जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर
भाई यूहन्ना क निहारेस। उ सबइ आपन नाउ मँ
आपन जालि क मरम्मत करत रहेन। २० उ तबहिं
फउरन उ सबन्क बोलॉएस। एह बरे कि उ सबइ
नाउ मँ आपन बाप जब्दी क छाँड़ि कइ ओके संग
ओकरे पाछे आएन।

ईसू मनई क चंगा करेस जेह पर दुस्ट आतिमा सवार रही

(लूका ४ :३१-३७)

२१ ओकरे बाद उ पचे कफरनहूम गएन।
फुन अगवा ईसू आवइवाला सबित क दिन
‡‡आराधनालय ¶¶मँ जाइके लोगन्क सिच्छा
देइ लाग। २२ सिरिफ धरम सास्तिरियन क
जानइवाला क तरह नाहीं मुला एक ठु मुड्ढ क
नाईं सिच्छा देत रहा। एह बरे उ सब मनइयन
ओकरे सिच्छा स अचरजे मँ पड़ि गएन।
२३ ओनकर यहूदी पराथना सभा मँ एक ठू अइसा
मनई रहा जेका दुस्ट आतिमा धरे रही। उ मनई
चिचिअन अउर कहेस, २४ "मोसे तू का चाहत
बाट्या, नासरत क ईसू ? का हम पचन्क बरिबाद
करइ क आइ बाट्या ? मइँ जानत हउँ तू का अहा,
तू अहा परमेस्सर क पवित्तर मनई !"
२५ मुला एह पइ ईसू पटकारेस, "खामोस रह,
ओहका छाँड़िके चला आव।" २६ तबहिं दुस्ट
आतिमा उ मनई क हिलाइस अउर खूब जोर स
चिचिआन। फिन ओहमाँ स बाहेर आइ गइ।
२७ ऍहसे हर मनई अचरज मँ पड़ि गवा। सब
मनइयन आपुस मँ पूछइ पछोरे लागेन, "हिआँ इ
कावा ? इ मनई एक ठु नई सिच्छा देत बाटइ। उ
मुड्ढ गियान स सिखवत अहइ। उ दुस्ट आतिमा
क हुकुम देत हय अउर उ पचे ओहका मानत हीं।"
२८ एह बरे गलील अउ ओह के चारिउँ कइँती ईसू
क नाउँ तुरंतइ फइल गइ।

ईसू ढेर मिला क चंगा कीहेस

(मत्ती ८ :१४-१७ ; लूका ४ :३८-४१)

२९ ईसू अउर ओकर चेलन आराधनालय तजि
दिहन अउर सोझे याकूब अउ यूहन्ना क संग
समौन अउर अन्द्रियास क घरे गएन। ३० समौन
क सास बोखाँर स बिछउना प पहुड़ी रही। तउ
उ सब तुरंतहि ईसू क ओकरे बारे मँ बताएँन।
३१ तइसेन उ ओकरे नगिचे गवा। ओकर हथवा
पकरि के ओका उठाएस। बोखाँर ओहका छाँड़ि
दिहस अउर उ सबन्क सेवँकाई करइ लाग।
३२ सूरज बूड़े क बाद सांझ होइ जाए प उ सब
लोग ढेर बेरमियन्क अउर जेनका दुस्ट आतिमन
बियाधत रहा, ईसू क नगिचे लिवाइ लाएँन।
३३ अउर समूचा सहर दुआरे प जम गवा। ३४ उ
तरह तरह क रोग स बेरमिया रहेन ओन सबन्क
बेमारी स जरटुट किहेस अउर बहोत स दुस्ट
आतिमन भगाय दिहस। उ दुस्ट आतिमन क नाहीं
बोलइ दिहस, एह बरे कि उ सब ओहका जान
गइन।

ईसू सुसमाचार सुनावइ क तइयारी करेस

(लूका ४ :४२-४४)

३५ बड़े भिन्सारे जब मुँह अँधियार रहा, ईसू
जागि गवा। ओकरे बाद घरवा स बाहेर अकेल्ले
मँ अउर उजाड़े मँ गवा, हुवाँ उ पराथना करेस।
३६ पाछे समौन अउ ओकर साथी ईसू क हेरत-
हेरत बाहेर गएन। ३७ उ पचे ओहका हेरि के ओसे
कहेन, "हर मनई तोहका हेरत अहइ।"
३८ फिन ईसू ओनसे कहेस, "हमका दूसर क
नगरन मँ जाइही चाही। तबहिं उ सबन ठउरन
मँ मइँ उपदेस दइ सकत हउँ। एह बरे मइँ आइ
हउँ।" ३९ अइसे उ गलील क सब ठउरन मँ ओनके
आराधनालयन मँ उपदेस देत अउर संग दुस्ट
आतिमा क भगावत रहा।

ईसू कोढ़ी क चंगा कीहेस

(मत्ती ८ :१-४ ; लूका ५ :१२-१६)

४० फिन एक ठु कोढ़ी ओकरे निअरे आवा अउर
उ निहुरि क ईसू स बिनती किहेस, "जउ तू चाहा,
तू मोका चंगा कइ सकत ह।"

---

‡‡१ :२१ सबित क दिन यहूदी हफता क सातवाँ दिन। इ यहूदियन क खास दिन धरम बरे अहइ।
¶¶१ :२१ आराधनालय हुवाँ यहूदी लोग इकट्ठा होइके आपन धरम सास्तर बाँटत रहेन अउ पराथना करत रहेन।

४१ओकर जिअरा दाया स भरि गवा। फिन उ
आपन हथवा फइलावत ओका छुइके कहेस, "मइँ
चाहत हउँ, तू नीक ह्वा।" ४२तबहिं फउरन ओकर
कोढ़ जरटुट होइ ग अउर उ नीक होइ ग।
४३ईसू ओका जाइक बरे कहेस मुला ओका एक
करी चिताउनी दिहेस, ४४"देखा, तू एँकरे बारे मँ
कउनो स कछुहि जिन कह्या। फिन याजक क
लगे जा अउर ओका आपन क देखावा। परमेस्सर
क भेंट द्या जेह बरे तू नीक होइ गया। अउर
जइसा मूसा क व्यवस्था बताएस, §§वइसा आपन
नीक होइ क भेंट द्या। जइसे इ एक सनद रहइ।"
४५फिन उ मनई चला गवा, अउर बेधड़क बतावइ
लाग अउर खबरिया क प्रचार करइ लाग। एँहसे
ईसू अजादी स कस्बन मँ जाइ न सका। आखिर उ
अकेल्लले मँ अउर उजड़े ठउरन मँ टिकइ लाग।
सब मिला ठउर ठउर सा ओकरे नगिचे आवत
रहेन।

ईसू लकुआ क मरीज चंगा कीहेस

(मत्ती ९ :१-८ ; लूका ५ :१७-२६)

२ १कछू दिन पाछे ईसू कफरनहूम फिन आइ
गवा। तउ इ खबर फैलि गइ कि उ घरे मँ बा।
२एँतना ढेर क मजमा ओका सुनइ बरे जमा भवा
कि ओकर घरवा भरि गवा। हुआँ तिल धरइ क ठउर
नाहीं रहा अउर दुआरे क बाहेर भी नाहीं रहा। उ
मनइयन क उपदेस देत रहा। ३कछू लोग लकुआ
क रोगी क ईसू क निअरे लाएन। लकवा क रोगी
का चार मनई लाद कर लावत रहेन। ४पर उ लोग
उ मनई का ईसू के पास न लाइ पायन काहेकि
घरवा लोगन स भरा रहा। एह बरे जहाँ ईसू रहा,
ओकरे ऊपर क छत्तिया प गएन अउर छत्तिया क
खोदि के एक ठो धोंधका बनाएन। तबहिं उ पचे
बिछउना इ तरखाले कइ दिहन, जेह प लकुआ
क बेरमिया ओलरा रहा। ५जब ईसू देखेस कि उ
सब केतँना गहरा बिसवास रखत हीं, उ लकवा क
रोगी स कहेस, "बेटवा! तोहार पापन्क छमा कर
दीन्ह।"
६हुवाँ कछू धरम सास्तिरियन बइठा रहेन। उ
पचे आपन आपन मनवा मँ गूँथत मथत रहेन।
७"काहे इ मनई अइसे कहत बाटइ? उ परमेस्सर
क दुरिआवत बाटइ। सिरिफ परमेस्सर क छाँड़ि क
कउन पापन क छमा करी?"
८ईसू आपन आतिमा मँ फउरन जानि गवा कि इ
मन ही मन सास्तिरियन ओकरे बारे मँ का बिचारत
अहइँ। तउ ईसू ओनसे कहेस, "तू सब आपन
जिअरा मँ इ सब काहे बिचारत अहा? ९जिआदा
असान का अहइ इ लकुआ क बेरमिया क कहब,
'तोहार पापन्क छमा दइ दीन्ह' या कहब, 'उठा!
आपन बिछउना उठावा अउर चला?' १०मुला मइँ
तोहका प्रमाणन देब कि मनई क पूत क भुइयाँ
प पापन्क छमा करइ क हक अहइ।" फिन ईसू
लकुआ क बेरमिया स कहेस, ११"मइँ तोहका कहत
अही, उठा। आप बिछउना उठावा अउर घरे जा।"
१२एह पइ उ उठि गवा अउर आपन बिछउना
हालि हालि उठाएस अउ मनइयन क देखतइ
देखत उ बइठका स चल दिहस। एह बरे, उ सब
अचरजे मँ पड़ि गएन अउर परमेस्सर क प्रसंसा
किहेन "हम पचे अस जइसा कबहुँ न देखा।"

लेवी (मत्ती) ईसू क पाछे चलई लागा

(मत्ती ९ :९–१३ ; लूका ५ :२७–३२)

१३एक दाईं ईसू फिन उ झिलिया क तीरे गवा,
हुवाँ ढेर मिला ओकरे पाछे होइ गएन। ईसू
ओनका उपदेस दिहस। १४जइसे उ झिलिया क
किनारे जात रहा, चुंगी क उगहिया हलफई क
बेटवा लेवी क निहारेस उ चुंगी घरे मँ बइठा रहा।
ईसू लेवी स कहेस, "मोरे पाछे आवा।" तउ उ उठि
खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे गवा।
१५उ दिना क बाद ईसू आपन चेलन क लइ के
ढेर चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग राति
क खइया खात रहा। जेहमाँ ओकर चेलन ढेर जने
रहेन जउन ओकरे पाछे पाछे चले आएन। १६जब
फरीसियन क कछू धरम सास्तिरियन लखेन कि
ईसू चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग जेंवत
रहा। उ पचे ईसू क चेलन स पूछेन, "उ काहे चुंगी
क उगहियन अउर पापियन क संग जेंवत अहइ?"
१७ईसू अनकेस अउर ओनसे कहेस, "जउन
हिट्ठ पुट्ठ मनई अहइँ, का ओनका बैद्य चाही?
मुला जउन बेरमिया अहइँ, ओनका बैद्य चाही।
मइँ धर्मी बरे नाहीं मुला पापियन लोगन्क
बोलाँबइ आइ हउँ।"

---

§§१ :४४ मूसा ... बताएस देखा लैव्य. १४ :१-३२

ईसू दूसर धार्मिक नेतन स निराला

(मत्ती ९ :१४-१७ ; लूका ५ :३३-३९)

१८ यूहन्ना क चेलन अउर फरीसियन लोग
उपास *करत रहेन। कछू मनइयन ईसू क लगे
आइके पूछेन, "काहे बरे यूहन्ना क चेलन अउर
फरीसियन क चेलन उपास धांस करत हीं, मुला
तोहार चेलन काहे उपास नाहीं करतेन ?"
१९ एह पइ ईसू जवाब दिहस, "जब बियाह मँ
बराती जब तलक ओनसे उपवास करइ क उम्मीद
नाहीं कीन्ह जात। जब तलक दुल्हा ओनके संग
अहइ दुल्हा संग रहत हीं जब तलक उ पचे उपास
नाहीं करतेन। २० लेकिन समइ आई जबहिं दुल्हा
ओनसे अलगाइ दीन्ह जाई अउर बराती दुखी रहि
हीं। तबइ उ सब उपास रखिहीं।
२१ "केउ कउनो पुरान कपरा प बेसिकुरा नवा
कपरा क पइबंद नाहीं लगावत। यदि उ अइसा
करत ह, उ नवा कपरा क पइबंद पुरान कपरा क
लई बइठत ह। अइसे फटा कपरा क खोंच अउर
बढ़ जात हीं। २२ मनई कबहुँ पुरान मसकन मँ नई
दाखरस भरतेन नाहीं। काहे नई दाखरस पुरान
मसकन क फोरि देई। अउर ऐहसे नई दाखरस
अउर मसकन बरिवाद होइ जइहीं। एह बरे मनई
मई दाखरस क नई मसकन मँ धरत ह।"

कछू यहूदियन ईसू क नुकताचीनी किहेन

(मत्ती १२ :१-८, लूका ६ :१-५)

२३ अइसा भवा कि ईसू सबित क दिन अनाजे क
खेतन्से होत भवा जात रहा। अउर ओकर चेलन
संग संग जात रहेन। ओकर चेलन जात जात
अनाजे क बलिया खाइ बरे नोचेन। २४ फरीसियन
देखेन अउर ईसू स कहेन, "देखा सबित क दिन ओ
पचे काहे अइसा करत अहइँ। अइसा करब इ दिन
क व्यवस्था क माफिक नाहीं।"
२५ एह पइ ईसू ओनसे कहेस, "तू सबइ दाऊद
†क बारे मँ पढ़या ह कि उ का करेस ह। जब उ अउर
ओकर साथी संगी क भूख लाग अउर ओनका
खइया क जरूरत भइ ? २६ का तू पढ्या नाहीं कि
जब अबियातार एक महायाजक रहा, तब दाऊद
कइसे परमेस्सर क मन्दिर मँ गवा अउर चढ़वा मँ
चढ़ी रोटी खाएस जउन परमेस्सर क चढ़ाई गइ
रही। जउन मूसा क व्यवस्था क माफिक कउनो
क बरे नाहीं मुला याजकन क खाइ क बरे रहीं।
दाऊद सबन्क कछू रोटिन्क दिहस जउन ओकरे
संग रहेन ?"
२७ ईसू ओनसे कहेस, "सबित क दिन मनई बरे
बनवा ग रहा, मुला मनई सबित क दिन बरे नाहीं।
२८ एह बरे मनई क पूत सबित क पर्भू भी।"

ईसू सुखंडी हाथ क बेरमिया क चंगा किहेस

(मत्ती १२ :९-१४ ; लूका ६ :६-११)

३ १ एक दाईं फिन ईसू आराधनालय मँ गवा।
हुवाँ एक ठो मनई रहा जेकर हाथ सुखंडी होइ
गवा रहा। २ कछू यहूदी अँखिया गड़ाइ के ईसू क
निहारत रहेन कि का उ रोगी क सबित क दिन नीक
करी। जदि गलती भए प ओका दोखी कहइँ। ३ ईसू
सुखंडी हाथे क मनई स कहेस, "हिआँ खरा होइ
जा जइसे सब जने तोहका निहारि सकइँ।"
४ तब ईसू ओनसे कहेस अउर लोगन पूछा,
"सबित क दिन का करइ क नीक बाटइ ? या भलाई
करब या बुराई ? का ई नीक बाटइ जीउ क बचाउब
या मारब ?" जबावे मँ ईसू स उ पचे कछू नाहीं
कहेन।
५ उ गुस्सा मँ ओन पचन क देखेस। ओनके मन
क कठोर भए स उ दुखी भवा। फिन उ मनई स
कहेस, "आपन हथवा आगे कइँती फइलाव।" उ
मनई हथवा ईसू कइँती फइलाएस अउर पहिले
जइसा नीक होइ ग। ६ तबहिं सबहिं फरीसियन
हुवाँ स चल दिहन, अउर तुरंतहि हेरोदियन स
मिलि के ओकरे खिलाफ जाल बिछ्यावइ लागेन कि
कइसे ओका जान स मारि सकिहीं।

बहोत लोग ईसू क पाछे चलेइ लागेन

७ ईसू आपन चेलन क संग गलील छ्वील गवा।
गलील क बहुत स लोग ओके पाछे होइ लिहेन।
८ बहुत स लोग यहूदिया, यरूसलेम, इदूमिया
अउर यरदन नदिया क पार क पहँटा सूर अउर
सैदा स आएन। ई मनइयन एह बरे आएन कि
ओकरे काम क बारे मँ सुनि लिहन जउन उ करत
रहा।
९ भिड़िया क मारे उ आपन चेलन स कहेस,
"एँक छोटॅकी नाउ तइयार करा, जेह बरे भीड़
ओका कुचर न डावइ।" १० उ बहोतन क नीक
किहेस इ नाते उ सब जेनका बेरामी रही, ईसू क
छुवइ क बरे भिड़िया क धाकियावत भए रस्ता
बनवत चला आवत रहेन। ११ कछू मनई आपन

---

*२ :१८ उपास आराधना अउ पराथना क खास समइ प बिन खाए पिए रहब या रोअइ क समइ प।
†२ :२५ दाऊद इस्राएल क राजा, मसीह क १,००० बरिस पहिले।

भीतर दुस्ट आतिमन धरे रहेन। जब कबहुँ दुस्ट आतिमन ओका निहारत रहीं, उ सबइ ओकरे सोझे दण्डवत करेन अउर चिचिआनिन, "तू परमेस्सर क पूत अहा!" १२ मुला उ दुस्ट आतिमन क करीं चिताउनी देत रहा, अइसा न बतावइ क उ कउन अहइ।

ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

(मत्ती १० :१-४ ; लूका ६ :१२-१६)

१३ फिन ईसू पहाड़ी प गवा अउर उ ओनहीं मनइयन क बोलाएस जेका उ चाहत रहा। उ सब ओकरे लगे गएन। १४ जेहमाँ स उ बारहु क चुनेस अउर ओनका प्रेरितन ‡क ओहदा दिहेस। उ ओनका एह बरे चुनेस कि उ सब ओकरे संग रहइँ अउर उपदेस प्रचार बरे बाहेर पठइ सकइ। १५ अउर उ पचे दुस्ट आतिमन क खदेरइ क हक रक्खइँ। १६ एहि तरह बारहु मनइयन क उ चुनेस ? समौन (जेका उ पतरस क नाउँ दिहेस),
१७ जब्दी क बेटवा याकूब अउर यूहन्ना (जेकर नाउँ क बूअनरगिस दिहेस, जेकर अरथ अहइ "गर्जन क बेटवा"),
१८ अन्द्रियास,
फिलिप्पुस,
बरतुल्मै,
मत्ती,
थोमा,
हलफई क बेटवा याकूब,
तद्दै समौन कनानी
१९ अउर यहूदा इस्करियोती (जउन पाछे ओका धोखा दिहेस)।

यहूदियन कहेन कि ईसू मँ सइतान बाटइ

(मत्ती १२ :२२-३२ ; लूका ११ :१४-२३, १२ :१०)

२० तब ईसू घरे गवा। एक दाईं फिन एक भारी भीर घेर लिहस। अइसा भवा कि ईसू अउर ओकर चेलन खइया के नाहीं खाए पाएन। २१ जबहिं ओकरे परिवारे क निअम्बर ऍकरे बारे मँ सुनि लिहन तबहिं उ सब ओका लेवाँवइ चलेन। इ सोचिके सब मनइयन कहत बाटेन कि ओकर मन ठेकाने नाहीं।

२२ यरूसलेम स आइ भएन धरम सास्तिरियन कहेन, "ओहमाँ बालजबूल (सइतान) घुसि ग अहइ। दुस्ट आतिमन क सरदार क ताकत स उ दुस्ट आतिमन क मनई स भगावत अहइ।"

२३ ईसू ओन पचे क एकट्ठइ बोलाएस अउर दिस्टान्त दइ के कहइ लाग, "कइसे सइतान मनई स सइतान क भगाइ देई ? २४ जदि एक ठु राज्य मँ आपन खिलाफ फूट परि जाइ तउन उ राज्य टिक सकत नाहीं। २५ जदि एक परिवार आपस मँ बँटि जाइ तउ उ बचि सकत नाहीं। २६ जदि सइतान खुद आपन खिलाफ होइ जाइ अउर फूट डारी तउ उ बचि पावत नाहीं। आखिर मँ उ बरिबाद होइ जाई।

२७ "जदि कउनो बरिआर मनई क घरे मँ घुसिके लइके सब असबाब ढोइ सकत नाहीं ; जब तलक पहिले सब ते बरिआर मनई बाँध न देइ। तब इ उ घरवा क लूटि लेइ।

२८ "मइँ तोसे सच सच कहत अहउँ। लोगन्क हर किसिम क पापन अउ कच्ची पक्की बात जउन उ सब एक दूसर क बोलेन ह, उ सबन्क छमा कीन्ह जाइ सकत ह। २९ मुला जउन पवित्तर आतिमा क बेज्जती करी ओका छमा कबहुँ न होई। एकरे बजाय न खतम होइवाला पाप क उ भागी होई।"

३० एह बरे ईसू कहत रहा कि धरम सास्तिरियन कहत रहेन कि ओहमाँ दुस्ट आतिमा सवार अहइ।

ईसू क चेलन ओकर सच्चा परिवार

(मत्ती १२ :४६-५० ; लूका ८ :१९-२१)

३१ तबहिं ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन आएन। उ सब बाहेर खरा भएन अउर कउनो एक क ओकरे निअरे बाहेर आइ क पठएन। ३२ ओकरे चारिहुँ कइँती भी बइठी रही। उ ओसे कहेस, "देखा! तोहार महतारी भाइयन तोहका पूछत अहइँ।"

३३ जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "कउन मोर महतारी अउ कउन मोर भाइयन अहइँ ?" ३४ ईसू आपन क चारिहुँ कइँती बइठे मनइयन प देखिके कहेस, "ई अबहिं मोर महतारी अउर मोर भाइयन। ३५ जउन परमेस्सर क इच्छा पूरी करी उ मोर भाई, बहिन अउर महतारी अहइँ।"

बिया बोवइ क दिस्टान्त

(मत्ती १३ :१-९ ; लूका ८ :४-८)

४ १ फिन ईसू झील क तीरे उपदेस देइ लाग। ओकरे चारिहुँ ओर भारी भीर जमा होइ गइ। ऍसे उ झील मँ डारी भई नाउ प जाइके बइठा। सभई लोग झील क तीरे धरती प ठाड़ रहेन। २ उ ओनका ढेर कइ बतिया दिस्तान्त क संग सिकाएस। आपन उपदेस मँ कहेस,

---

‡३ :१४ प्रेरितन धरम संदेस पठवइ मँ सहायक।

३ “सुन त्या! एक ठु किसान आपन बिया बोवइ
गवा। ४ जब उ बिया बोवत रहा कछू बिया राह
क किनारे गिर गवा। चिरियन आइन अउर चुन
लिहन। ५ कछू बिया पथरही भुमियाँ प गिरा, जहँ
थोड़ माटी रही। हाली स अँखुवाइ गवा काहेकि
माटी गहरी नाहीं रही। ६ जब सूरज निकरा, उ
सबइ पउधन झुराइ गएन। जर न पकड़ि पवावइ
क कारण कुम्हिलाइ गएन। ७ अउर कछू बिआ
काँटन मँ जाइ गिरेन। कँटही झाड़ी बाढ़ी अउर
ओनका दहबोच लिहन। ऍहमाँ दाना नाहीं पइदा
भवा। ८ कछू बिया बढ़िया खेतन मँ बिखराइ गएन।
इ बढ़िया खेतनमाँ जामेन, बाढ़ेन अउर दाना पइदा
करेन। इ बिया तीस गुना, साठ गुना अउर हिआँ
तलक कि सउ गुना फसल भइ।”
९ तबइ उ कहेस, “तोहरे पास जेकरे कान होइ
तउ उ सुन लेइ।”

ईसू कहत ह उ काहे दिस्टान्त बइपरत ह

(मत्ती १३:१०-१७ ; लूका ८:९-१०)

१० फिन जब अकेल्ला रहा, तउ बारहु प्रेरितन
अउर दूसर मनइयन ओकरे चारिहुँ कइँती रहेन, उ
सबइ ओसे दिस्टान्त क बारे मँ पूछेन।
११ ईसू ओनसे कहेस, “तू सबन्क परमेस्सर क
राज्य भेद बताइ दीन्ह। मुला ओनके बरे जउन
बाहेर क अहइँ सब बातन दिस्टान्त दीन्ह गइ
अहइँ। १२ एह बरे,
‘उ सब देखइँ अउर देखॅतई रहा मुला कछू सुझइ
नाहीं,
सुनि लेइँ अउर सुनतइ रहइँ, मुला कछू बूझाइ
नाहीं।
नाहीं तउ, उ सब घूमि जाइँ
अउर छमा कइ दीन्ह जाइ।’” ¶

बिया बोवइ क दिस्टान्त क समझाउब

(मत्ती १३:१८-२३ ; लूका ८:११-१५)

१३ उ ओनसे कहेस, “का तू इ दिस्टान्त क समझ
पउत्या नाहीं तउ अउ कउनो दिस्टान्त क कइसे
समझ पउब्या? १४ बिया क बोवइया जउन बोवत
ह, उ परमेस्सर क उपदेस अहइ। १५ कछू जने राहे
क उ सब बिया क तरह अहइँ, जहाँ उपदेस बोइ
गवा रहा। जब उ सुनत हीं, सइतान तुरंत ही
आवत ह उ उपदेस क लइ जात ह, जउन बिया
बोवा रहा।
१६ “कछू जने उ बिया क तरह अहइँ जउन
पथरही धरती मँ बोएन। बिया जब उ उपदेस सुनत
हीं, उ पचे फउरन उपदेस खुसी स अपनाइ लेत हीं।
१७ लेकिन उ सब आपन मँ जर नाहीं धरतेन उ सब
तनिक समइया मँ रह पावत हीं। पाछे जब उपदेस
क कारण बिपत आवत ह अउर खूबइ सतावा जात
हीं उ पचे फउरन बिसवास खोइ देत हीं।
१८ “अउर दूसर मिला कँटही झाड़ी मँ बिया क
बोवइ क तरह अहइँ। ई मनइयन उपदेस क सुनत
हीं। १९ मुला जिन्नगी क चिन्ता धन, लालच अउर
दूसर चीजन्क इच्छा ओनके मनवा मँ आवत ही
उपदेस क दबोच लेत हीं। फिन ओन प फर लागत
नाहीं।
२० “दूसर उ बिया क तरह अहइँ जउन बढ़िया
भुइँया प बोइ ग अहइँ। ई पचे उ अहीं जउन बचन
सुनत ही अउर अंगीकार करत हीं। ओन प फर
लागत ह-कहुँ तीस कहुँ साठ अउर कहुँ सउ गुना
या जिआदा।”

जउन तोहरे पास अहइ ओका बइपरा

(लूका ८:१६-१८)

२१ फिन ईसू ओनसे कहेस, “का कहुँ दिया एह
बरे लियाइ जात ह कि एक खोरा या बिछउना क
नीचे धरा जाइ? का ऍका डिवटे प धरइ बरे नाहीं
लिआइ जात? २२ अइसे अइसा कछू नाहीं गुप्त
अहइ जेका छिपाइ क धरा जाइ अइसा कउनो
रहस्य नाहीं जउन खुलि न सकइ। हर छिपाइ गइ
बात खुलि के समन्नवा आई। २३ तोहरे पास जेकरे
कान होइ तउ उ सुन लेइ। २४ धिआन द्या जउन
तू सुनत अहा। जउन नपना तू दूसर बरे बइपरत
अहा, तउन नपना स तू नापा जाब्या। लेकिन
तोहरे बरे कछू अउ जोरि दीन्ह जाइ। २५ जेकरे
पास अहइ ओका अउर दीन्ह जाई अउर जे धरे
नाहीं, जउनहुँ कछू धरे होइ ओसे उहइ लइ लीन्ह
जाई।”

बिया क दिस्टान्त

२६ फिन ईसू कहेस, “परमेस्सर क राज्य अइसा
अहइ कउनो मनई खेतन मँ बिया छितरावइ।
२७ रतिया मँ सोवइ अउर दिनवा मँ जागइ। बिया
अँखुवाइ, इ सबइ बाढ़ई। उ जानत नाहीं, इ कइसे
होत अहइ। २८ भुइँया खुदइ दाना उ पजाइ देत
ह। पहिले अँखुवा, तब बाले फि बाले मँ समुचइ
दाना। २९ जब दनवा पकि जात ह, तबहिं फउरन

¶४:१२ उद्धृत यसायाह ६:९-१०

हसुआ काटइ बरे धरत ह। एह बरे कि फसल काटइ क अहइ।"

रइया क दनवा क दिस्टान्त

(मत्ती १३:३१-३२, ३४-३५ ; लूका १३:१८-१९)

३० फिन ईसू कहेस, "मइँ कउने तरह बताई कि परमेस्सर क राज्य अइसे अहइ ? मइँ ओका समझावइ क बरे कउन स दिस्टान्त बइपरी ? ३१ उ सरसों क दाना क नाईं अइसा अहइ। इ सबते छोट अहइ जब तू भुइँया मँ बोवत ह। ३२ जबहिं तू ऍका रोपि देत ह, इ बाढ़ छोड़िके बगिया क पउधन मँ सब ते बड़वार होइ जात ह। ऍहमाँ बड़ी बड़ी डारि आवत हीं। ऍसे चिरिया आपन घोंसला छाया मँ बइठइ बरे बनावत हीं।"

३३ एकरे तरह ढेर ठु दिस्टान्त स उ उपदेस दिहेस, जेतना उ पचे समझि सकत रहेन। ३४ ईसू उनसे बगइर दिस्टान्त क कछू नाहीं कहेस। मुला जब उ अकेल्ला मँ आपन चेलन क संग अकेल्ला होत, उ सब बातन ओनसे खोलिके समुझाएस।

ईसू बौंड़र क रोक देत ह

(मत्ती ८:२३-२७ ; लूका ८:२२-२५)

३५ उ दिन जब सांझ भइ, ईसू ओनसे कहेस, "मोरे साथ झिलिया क ओह पार आवा।" ३६ जइसेन ईसू अउर ओकर चेलन भिरिया क छोड़ि दिहन अउर जउनी हालत मँ ईसू रहा, बइसेन ओहका चेलन नाउ मँ लइ चलेन। हुवाँ दूसर नाउन ओकरे संग रहीं। ३७ एक ठु भारी बौंड़र आवा अउर लहरन नाउन क धकियावत अउर नाउ क भीतर आवत रहीं। ऍसे ओहमाँ पानी भरि जाइवाला रहा। ३८ लेकिन ईसू नाउ क पाछे भाग मँ तकिया लगाइ क सोवत रहा। चेलन ओका जगाइन अउर ओसे कहेन, "हे गुरु, का तोहका धियान नाहीं बा कि हम पचे बूड़त अही।"

३९ तबहिं ईसू जागा अउर हवा क फटकारेस अउर लहरन स कहेस, "सान्त ! थमि जा !" तइसे बौंड़र पटाइ गवा अउर खूबइ सान्ति आइ गइ।

४० फिन ईसू ओनसे कहेस, "तू काहे डेरात बाटया ? का अब तलक तोहका बिसवास नाहीं भवा ?"

४१ मुला उ पचे बहोतइ डराइ गएन अउर उ पचे आपस मँ एक दूसर स कहइ लागेन, "आखिर इ अहइ कउन बा कि आँधि अउर पानी ओकर हुकुम मानत हीं।"

ईसू मनई क दुस्ट आतिमा स छोड़ाॅवत ह

(मत्ती ८:२८-३४ ; लूका ८:२६-३९)

५ १ फिन उ सब झिलिया क ओह पार गिरासेनियान क देसे मँ पहुँच गएन। २ जब ईसू नाउ स बाहेर आवा, तबहिं एक मनई जेहमाँ दुस्ट आतिमा रही, कब्रे मँ स ईसू स फउरन भेंटइ आइ। ३ इ मनई कब्रन मँ रहत रहा। अउर कउनो ओका बाँधि सकत नाहीं रहा, हियाँ तलक जंजीरउ नाहीं बाँधि सकेस। ४ जबहिं ओकर गोड़वा बेड़ी अउर जंजीर स बाँधा जात, उ जंजीरिया क तोरि डारत अउ बेड़ियन्क चकनाचूर। कउनो ओका काबू मँ नाहीं लिआइ पावा। ५ कब्रन मँ अउर पहाड़ियन एकदम्मइ दिन-रात हर समइ उ चीखत चिचिआत रहा अउर आपन क पाथर स पीटत रहा।

६ जब उ ईसू क दूर स देखेस, ओके निअरे धावा अउर ओकरे समन्वा दण्डवत करेस। ७-८ फिन बड़ जोर स चिचिआन अउर कहेस, "तू मोसे का चाहत ह, सबन ते ईसू सर्वोच्च परमेस्सर क पूत ? मोर बिनती अहइ तोहका परमेस्सर क सपथ कि तू मोका दंड न देइ।" ईसू ओसे कहत रहा, "अरी दुस्ट आतिमा, तू इ मनई स बाहेर आवा।"

९ तब ईसू ओसे पूछेस, "तोहार क नाउँ अहइ ?"

फिन उ ईसू स कहेस, "मोर नाउँ सेना अहइ, काहेकि हम बहोत स अही।" १० उ मनई बार बार ओसे बिनती करेस कि उ पचेनक उ पहँटा स जिन निकारा !

११ हुवाँ पहाड़िया के पास सुअरन क झुंड चरत रहा। १२ दुस्ट आतिमन ईसू स कहत बिनती करेन, "हमका सुअरिअन मँ पठइ द्या, जेहसे हम ओहमाँ घुसि जाई।" १३ तब उ ओनका हुकुम दिहेस। तबइ दुस्ट आतिमन मनई स बाहेर आइके सुअरिअन मँ गइँन। अउर उ झुंड जेहमाँ करीब दुइ हजार सुअर रहेन, ढलवाँ किनारे स नीचे कइँती लिढ़कत-पुदकत भागत परात झील मँ जाइ गिरा अउ बूड़ गएन।

१४ जउन लोग सुअरिअन क रच्छा करत रहेन, पराय गएन उ पचे सहर अउर गाउँ मँ इ खबर फइलायन। अउर सब मनइयन देखइ आएन कि का भवा। १५ उ सब ईसू क नगिचे पहुँचेन। उ सब दुस्ट आतिमन क सवार भइ मनई प देखेन। उ कपरा पहिरे रहा अउर दिमागे स नीक होइ गवा। इ उहइ मनई रहा जेहमाँ बहुत स दुस्ट आतिमन क सवारी रही अउर उ सब डेराइ गएन। १६ जउन इ घटना क देखे रहेन उ मनइयन क नीके स

समुझाइन कि जेहमाँ दुस्ट आतिमन क सवारी रही, अउर सुअरन क का भवा। १७ तब मनइयन ईसू स बिनती करइ लागेन कि उ ओनके पहँटा स चला जाइ।

१८ जइसे उ नाउ मँ चढ़इ लाग, तबहिं जउने मनई मँ दुस्ट आतिमन आइ रहीं, ईसू स बिनती संग जाइ बरे किहेस। १९ ईसू आपन संग जाइ बरे हुकुम नाहीं दिहस, लेकिन कहेस, "आपन लोगन्क बीच घरे जा अउर ओनका इ सब बतावा जउन पर्भू तोहरे बरे किहेस ह। अउर ओनका इ ही बतावा कि दाया कइसे पर्भू करेस ह।"

२० तउ उ मनई चला गवा अउर दिकापुलिस क मनइयन क कहइ लाग कि केतॅना ढेरि क ईसू ओकरे बरे किहस ह। एसे सब मनई अचरजे मँ पड़ि गएन।

एक ठु मरी लरिकी अउर बेरमिया स्त्री क जिन्नगी अउर चंगा करब

(मत्ती ९ :१८-२६ ; लूका ८ :४०-५६)

२१ ईसू अब फिन झिलिया क उ पार गवा। ओकरे चारिहुँ कइँती बहोत भारी भीर जमा होइ गइ। उ झिलिया क तीरे रहा। २२ तबहिं आराधनालय क अधिकारी जेकर याईर नाउँ रहा, हुवाँ आइ अउर ईसू क देखेस फिन ओकरे गोड़वा पर गिरि गवा। २३ वॅइसे चिरउरी बिनती करत कहेस, "मोर छोट बिटिया मरइ क अहइ। मोर बिनती अहइ कि तू मोरे संग आवा अउर आपन हथवा ओकरे मूँड़े प धइ द्या। ऍसे उ नीक होइ जाइ अउर जी जाई।"

२४ तउ ईसू ओकरे साथे गवा। बहोत भारी भीर ओका पछुआवत रही, जेसे उ दबा जात रहा।

२५ हुवाँ एक ठु स्त्री रही, जेकर बारह बरिस स लहू जारी रहा। २६ उ बैद्यन स दवाई करवावत करवावत बहोतइ तकलीफ उठाइस। उ सब कछू खरिच कइ डाइस जउन उ धरे रही। मुला उ तनिकउ जिआदा नीक नाहीं होत रही ; ओकर हालत जिआदा बिगड़त जात रही।

२७ जइसे उ ईसू क बारे मँ सुनेस, वॅइसे उ पाछे भिरिया मँ आइ अउर ओकर ओढ़ना छुइ लिहस। २८ आपन मानव मँ उ सोचत रहीं, "जदि मइँ ओकर ओढ़ना छुइ पाई तउ मइँ नीक होइ जाब।" २९ अउर तुरंतहि खुनवा बहइ क जगह सुखाइ गइ। आपन तन मँ अइसा जानेस कि ओकर दिकदारी नीक होइ ग। ३० अउर ईसू फउरन महसूस करस कि ओसे सक्ति निकर गइ। उ भिरिया कइँती घुमेस अउर पूछेस, "कउन मोर ओढ़ना छुएस ?"

३१ ओकर चेलन ओका बतएन, "तू देखत अहा कि भिरिया तोहका घेरित अहइ। यह पइ तू पूछत अहा, 'कउन मोका छुएस ?'"

३२ उ चारिहुँ कइँती निहारत रहा कि कउन अइसा करेस ह। ३३ तब्बइँ एक ठु स्त्री इ जानत भइ कि ओहका का भवा ह, डर स काँपत आइ अउर ओकरे समन्वा गोड़वा प गिर पड़ी अउ उ सबइ सच सच कबूलेस। ३४ तबहिं ईसू ओसे कहेस, "बिटिया ! तोहार बिसवास तोका बचाएस। चइन स रहा, अउर दिकदारी स बची रहा।"

३५ जब उ बोलतइ रहा याईर, आराधनालय क अधिकारी क घरे स कछू लोग आएन अउर ओसे कहेन, "तोहार बिटिया मरि गइ। अब गुरु (ईसू) क बेफजूल काहे क तकलीफ देत अहा ?"

३६ ईसू अनकेस कि उ पचे का कहेन अउर आराधनालय क अधिकारी स कहेस, "डरा जिन, मुला बिसवास करा।"

३७ फिन ईसू सबन्क छाँड़िके सिरिफ पतरस, याकूब अउर याकूब क भाई यूहन्ना क संग लइके ३८ आराधनालय क अधिकारी क घरे गवा। उ निकारेस कि हुवाँ खलवली मची बाटइ। उ मनइयन क जोर स चिचियाब पुपुआब अउर रोवत देखेस। ३९ उ भीतर गवा अउर ओनसे बोला, "काहे का इ सब खलबली अउर रोउब पीटब ? बचनी मरी नाहीं बा, उ सोवति अहइ।" ४० उ सब ओह पइ हँसेन।

ईसू सबन्क बाहेर खदेरेस। बिटिया क बाप, महतारी अउर जउन ओकरे संग रहेन, सिरिफ ओनका आपन संग रखेस। ४१ उ बिटिया क हथवा पकड़ेस फिन ओसे कहे, "तलीता कूमी" (अरथ अहइ "छोट बिटिया मइँ तोहसे उठइ क कहत हउँ।") ४२ छोटवार बिटिया फउरन उठि गइ अउर ऍहर ओहॅर टहरइ लाग। (उ बिटिया बारह बरिस क रही।) सगतइ आलिम अचरज मँ पूरी तरह आइ गवा। ४३ ईसू ओनका कर्रा हुकुम दिहेस कि कउनो ऍकरे बारे मँ पता न चलइ। फिन उ बोलेस कि उ बिटिया क कछू खइया क द्या।

ईसू क आपन सहर मँ जाब

(मत्ती १३ :५३-५८ ; लूका ४ :१६-३०)

६ १ फिन ईसू उ जगहिया छोड़ि के आपन सहर मँ आइ गवा। पाछे ओकर चेलन भी गएन। २ जइसे सबित क दिन आवा, उ आराधनालय मँ उपदेस देइ लाग। जइसे उ पचे ओका सुनेन। ढेर क मिला अचरज मँ पड़ि गएन। उ सब कहेन, "इ मनई क कहाँ ते इ सब बातन मिलि गइन। इ

कइसी बुद्धि अहइ जउन ऍका दीन्ह गइ अहइ। इ सइसा अद्भुत कारजन आपन हथवा स कइसे करत ह? ३ का इ उहई बढ़ई नाहीं, जउन मरियम क बेटवा अहइ अउर का इ याकूब, योसेस, यहूदा अउर समौन का भाई नाहीं? का जउन हमरे संग हिआ बाटइँ, उ ओकर बहिनियन नाहीं?" एहि बरे ओनका ईसू क मानइ मँ असमंजस होत रहा।

४ ईसू तब ओनसे कहेस, "आपन जनम भूमि, आपन नातेदार अउर आपन परिवारे क छोड़ि के, एक नबी कतहुँ बेइज्जत होत नाहीं।" ५ हुवाँ ईसू कउनो अद्भुत कारजन करेस नाहीं : बजाय ऍकै उ कछू बेरमियां प हथवा धइके ओनके चंगा कइ दिहेस। ६ ईसू क ओनके बिसवास न भए पइ ओका अचरज भवा। तउ ईसू गाउँ गाउँ मँ उपदेस देत घूमत रहा।

सुसमाचार परचार क बरे चेलन क पठवत

(मत्ती १० :१, ५–१५ ; लूका ९ :१–६)

७ उ बारहु चेलन आपन निअरे बोलाएस, अउर दुइ दुइ ऍकउट के पठवइ लाग अउर ओनका दुस्ट आतिमन प कब्जियावइ क कहेस। ८ उ ओनका सुझाएस कि उ पचे जात्रा मँ लठिया छोड़िक कछू न लेइँ : रोटी नाहीं, बिछउना नाहीं अउर आपन बटुआ मँ पइसा हू नाहीं। ९ उ सबइ बधियउरी पहिन सकत हीं मुला एक ठु जियादा से बंडी भी नाहीं। १० फिन उ ओनसे कहेस, "जउने घर मँ तू जा, हुवाँ तब तलक जगहिया न छोड़ा जब तलक तू नगर मँ रुका रहा। ११ अगर कउनो जगह तोहार सुआगत न होइ अउर हुवाँ क मनई तोहका न सुनइँ तउ हुवाँ स तु चल द्या। आपन गोड़वा क धूरि झाड़ द्या, जइसे ओनके खिलाफ सनद रहइ।"

१२ फिन उ पचे हुवाँ स बाहेर गएन। उ सबइ उपदेस दिहन कि उ पचे, मनफिरावइँ। १३ उ सबइ ढेर दुस्ट आतिमन क भगाइ दिहन अउर ढेर बेरमियन क जैतून क तेले स मालिस करत नीक किहेन।

हेरोदेस क बिचार ईसू यूहन्ना अहइ

(मत्ती १४ :१-१२ ; लूका ९ :७-९)

१४ राजा हेरोदेस §ऍकरे बारे मँ सुनेस कि ईसू क नाउँ का जस हर कइँती बिआपि गवा। कछू लोग कहत रहेन, "बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना मउत स जी गवा, अउर इहि कारण अद्भुत कारजन सक्ति काज करति अहइँ।"

१५ अउर लोग कहत रहेन, "उ ईसू एलिय्याह **अहइ।"

अउर मनई कहत रहेन, "इ नबी अहइ की ईसू पुराने जमाने क नबियन क नाईं एक ठु नबी अहइ।"

१६ जब हेरोदेस इ सुनेस, उ कहेस, "यूहन्ना जेकर मइँ गटइया कटवाएउँ ह, उ मउत स उठि गवा।"

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क कतल

१७ हेरोदेस अपुनहि यूहन्ना क जेलिया मँ बंद होइ क अउर ओका गिरफ्तार होइ क हुकुम दिहेसि। आपन भाई फिलिप्पुस क पत्नी हेरोदियास क कारण जेहसे उ बियाह करेस, उ अइँसा कइ डाएस। १८ यूहन्ना हेरोदेस स कहत रहा कि इ तोहका सोहत नाहीं कि तू आपन भाई क पत्नी स बियाह किहा। १९ हेरोदियास यूहन्ना क खिलाफ मनवा मँ डाह राखत रही अउर ओका मारइ चाहत रही, मुला ओका मार पावत नाहीं रहा। २० अइसे हेरोदेस यूहन्ना स डेरात रहा अउर ओका मालूम रहा कि यूहन्ना सही अउर पवित्तर क मनई अहइ। एह बरे उ रच्छा करत रहा। हेरोदेस जब यूहन्ना क बारे मँ सुनत रहा तउ उ जिआदा अकुलाइ जात रहा। तउने प ही ओका यूहन्ना क बारे मँ बातन सुनइ क सोहॉत रहा।

२१ तबहिं संजोग स बढ़िया अउसर आवा। हेरोदेस आपन जन्मदिन पइ बड़वार अधिकारी, आपन सेना क नायक अउर गलील क बड़े लोगन क भोज दिहस। २२ अउर जब हेरोदियास क बिटिया भितरे आइके नाचेस। ओसे उ हेरोदेस अउर भोज मँ आए मेहमनवन क रिझाइ लिहेस।

यह पइ राजा हेरोदेस लरकीवा स कहेस, "जउन तू चाहा तउन माँग ल्या। मइँ तोका जरूर देब।" २३ राजा ओका अकेल्ले सपथ खाइके कहेस, "जउन तू माँगा मइँ तोहका जरूर देब। हियाँ तक आपन राज्य क आधा हींसा।"

२४ इ सुनि के उ आपन महतारी क निअरे गइ अउर कहेस, "मोका का माँगइ चाही?"

तउने प महतारी कहेस, "बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँड़ी माँगा।"

---

§६ :१४ हेरोदेस अरथ अहइ हेरोद अंतिपस, गलील अउ पेरकि क सासक अउ महान हेरोद क बेटवा।
**६ :१५ एलिय्याह मनई जउन ई. पू. ८५० भवा रहा अउर परमेस्सर क बारे मँ लोगन्क बताएस।

२५ अउर उ लरिकी फउरन राजा क नगिचे भीतर
गइ अउर पूछेस, "मोका चाही कि तू ताबड़तोर
बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क मूँड़ टाठी मँ धइ
द्या।"
२६ ऍसे राजा क बहोत दु:ख भवा। मुला एह बरे
ओकर सपथ अउर भोजे प मेहमनवन क कारण
उ ओका मना करब नाहीं चाहेस। २७ तब राजा
झटपट एक ठु जल्लाद ओकर मूँड़ काटि लिआवइ
क पठएस। उ गवा अउर जेल मँ ओकर मूँड़ काटि
लिहस। २८ फिन ओकर मुँड़ावा काट कइ टाठी मँ
लइ आइ अउर बिटिया क दिहस। उ ऍका आपन
महतारी क दिहस। २९ जब यूहन्ना क चेलन ऍकरे
बारे मँ सुनेन तउ उ पचे आएन अउर ओकर ल्हास
उठाएन अउ कब्र मँ धइ दिहन।

ईसू पाँच हजार स जिआदा मनई क खियाएस

(मत्ती १४ :१३-२१ ; लूका
९ :१०-१७ ; यूहन्ना ६ :१-१४)

३० ईसू क चारिहुँ कइँती सुसमाचार क प्रचार
करइवाले प्रेरितन ईसू क पास जमा भएन। जउन
उ पचे किहेन अउर सिखाएन सब कछू बताएन।
३१ तब ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे खुदइ मोरे संग
एकांत जगहिया मँ आवा अउर तनिक आराम
करा।" फिन हुवाँ बहोत मनई क आउब जाब लाग
रहा। ऍसे उ सब खाइ क समइ नाहीं पाएन।
३२ एह बरे उ सब मिलिके खुदइ नाउ स एकांत
जगहिया मँ गएन। ३३ मुला बहोत जने ओनका
जात भवा देखेन अउर पहिचानेन कि उ सब कउन
रहेन। इ कारण उ लोग सबहिं सहरन स हुवाँ
धरतिया प धावत गएन अउर उ पचे ओनसे पहिले
पहुँचेन। ३४ जबहिं ईसू नाउ स उतरा, उ एक भारी
भीर देखेस। तबहिं उ ओनके बरे दु:खी भवा, इ
कारण कि उ सबइ बिना गड़रिया क भेड़ नाहीं
रहेन। अइसे उ बहोत बातन सिखावइ लाग।
३५ तब तलक साँझ होइ गइ। एह बरे ओकर
चेलन ओकरे नगिचे आएन अउर बोलेन, "इ
एकांत जगह अहइ अउर दिनवा ढरि ग अहइ।
३६ मनइयन क पठवा, जइसे उ पचे नगिचे खेतन
अउर गाउँन मँ जाइ सकइँ अउ आपन बरे कछू
खाइके बेसहि लेइँ।"
३७ मुला जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "तू ओनका
कछू खाइके द्या।"

उ सब ओहसे कहेन, "का हम पचे जाई अउर दुई
सौ दीनार ††क बराबर रोटी बेसही अउर ओनके
खाइ क बाँटी ?"
३८ ईसू ओनसे कहेस, "केतॅनी रोटी तोहरे पास
अहइ ? जा अउर देखा।"
जब उ पचे पता पाएन, उ पचे कहेन, "हमरे पाँच
ठु रोटी अउर दुइ मछुरी अहइँ।"
३९ फिन ईसू चेलन क हुकुम देहेस, "हर एक
क हरिअर घसिया प पंगत मँ बइठइ बरे कहा।"
४० तबहिं उ सब सउ सउ अउर पचास पचास क
पंगत मँ बइठ गएन।
४१ तइसेन ईसू पाँच रोटिन्यक अउर दुइ
मछुरिन्क उठाइ के सरग क ओर निहारत भवा
धन्यबाद दिहेस अउर रोटिन्क तोड़ेस। उ आपन
चेलन क ओनका बाँटइ बरे दिहस।
४२ उ सबइ भरपेट खाएन अउर उ सबइ अघाइ
गएन। ४३ ओकरे बाद उ सब रोटी अउर मछुरी
क बचा भवा बाहर टुकरन क झउआ मँ उठाएन।
४४ पुरुसन क गनती जउन खइया क खाएन पाँच
हजार रही।

ईसू क पानी प चलब

(मत्ती १४ :२२-३३ ; यूहन्ना ६ :१६-२१)

४५ फिन तुरंत ईसू आपन चेलन नाउ मँ
बइठाएस जेहसे उ सबइ जब भिरिया क बिदाई
पहिले झील क ओह पार बैतसैदा चला जाइँ।
४६ ईसू भीर क बिदाई क बाद पहाड़ी प पराथना
बरे गवा।
४७ जब सांझ भइ, नाउ झिलिया क मँझधर
मँ रही अउर उ भुइयाँ प अकेल्ले रहा। ४८ उ
ओनका नाउ खेवत क मुसीबते मँ देखेस, काहेकि
हवा ओनके खिलाफ बहत रही। लगभग तीन स
छ बजे क समइ भिंसारेउ ओनके निअरे झिलिया
प चलत आवा। जइसे हि ओनके निअरे स
जाइ क भवा, ४९ उ पचे ओका पानी प चलत
भवा निहारेन। उ सब अंजाद लगाएन कि कउनो
बड़वार दुस्ट आतिमा अहइ। ऍसे उ पचे डेरात
भए चिचिआनेन। ५० मुला उ पचे ओका निहारेन
अउर उ सब ससाइ गएन। तुरंतहि उ ओनसे बोला,
"हिम्मत रखा। इ मइँ हउँ जिन डेराअ।" ५१ फिन
उ ओनके संग नाउ प चढ़ि गवा, तब आँधी पटाइ
गइ। ऍसे उ सबइ अचरज मँ पड़ि गएन। ५२ उ पचे
रोटियन क अद्भुत कारज क बारे मँ समझ पाएन
नाहीं। ओनके दिमाग कठोर होइ गवा।

---

††६ :३७ सौ दीनार एक ठु दिन की मजूरी क बराबर पइसा।

ईसू बहुतेन बेरमियन क नीक किहेस
(मत्ती १४ :३४–३६)

५३जब उ सब झील पार कइ लिहन तउ
गन्नेसरत क घाटे प आएन अउर नाउ क बाँध
लिहन। ५४ जबहिं उ पचे नाउ क छाँड़ि क उतर
आएन, मनइयन ईसू क पहिचान लिहन। ५५ उ पचे
समूचे पहंटा मँ भागत फिरेन अउर बेरमियन क
बिछउना प जहाँ कहूँ उ पचे सुनेन कि ईसू हुवाँ
बा, लादि क लइ जाइ लागेन। ५६ जहाँ कहूँ उ गाउँ
मँ कस्बन मँ या खेतन मँ जात रहा, उ पचे आपन
बेरमियन क हाटन मँ बइठाइ देतेन अउर उ पचे
ईसू स बिनती करतेन कि उ आपन ओढ़ना क एक
हींसा छुअइ दे। अउर सबइ जउन ऍका छुएन नीक
होइ गएन।

परमेस्सर क व्यवस्था मनई क नियम ते बड़ा अहइ
(मत्ती १५ :१-२०)

७ १तबहिं कछू फरीसियन अउर कछू
धरमसास्तियिन जउन यरूसलेम स आएन
ओनके चारिहुँ कइँती एकट्ठा भएन। २ अउर उ
सबइ ओनके कछू चेलन बिना साफ किए हथवा
स खात देखेन। (बिना साफ किया स मतलब इ
अहइ कि उ पचन फरीसियन क बताए भए तरीके
स हथवा नाहीं धोवत रहेन।) ३ फरीसियन अउर
दूसर यहूदियत खाइका नाहीं खातेन जब तलक
उ सबइ आपन हथवा क पूर्वजन क रीति स न
धोइ लेइँ। ४ इहइ तरह उ सब बजारे स खाइ क
बरे लावा भवा कउनो चीज तब तक नाहीं खातेन,
जब तलक ओहका खास तरीके स न धोइ लेइँ।
इहइ तरह अउ बहोत स रितियन अहइँ, जेका उ
सबइ करत आवत हइँ जइसे खोरा, गगरी, ताँवा
क बासन अउर गद्देदार कुर्सी क धोउब।

५ एह बरे फरीसियन अउर धरम सास्तियिन
ओसे पूछेन, "काहे तोहार चेलन पूर्वजन क
रीतिन्क करतेन नाहीं, मुला आपन मइले हाथन
स खइया क खात हीं?"

६ ईसू ओनसे कहेस, "यसायाह तू जइसे कपटिन
क बारे मँ पहिले भविस्सबाणी कइ दिहस, जइसा
कि लिखा बाटइ :

'इ मनइयन ओंठवा स मोर इज्जत करत हीं
मुला ओनके मनवा ओसे दूर अहइँ।
७ मोका एनकर उपासना अर्पित अहइ बिना काम
क अउर इ सबइ बेकार उपासना करत हीं।
काहेकि इ सबइ लोग मनई क बनए सिद्धान्त अउर
नेम काहे कइके सिखावत हीं।' ‡‡

८ तू पचे परमेस्सर क आदेस न उठाइ क एक
कइँती धइ दिहा अउर मनई क रीतिन्क परिपाटी
क सहारा लइके चलावत अहा।"

९ ईसू ओनसे कहेस, "तू आपन पचन क बहोत
चलाक समझत अहा। तू परमेस्सर क आदेसन
ऐहि बरे टारइ चाहत ह, जेहसे आपन रीतन्क
चलाइ सका। १० उदाहरण बरे जइसे मूसा कहेस,
'आपन महतारी बाप क इज्जत द्या।' ¶¶अउर
'जउन मनई महतारी बाप क बुरा भला कहइ ओका
मार डावा।' §§११ तू पचन सिखावत ह, 'जदि कउनो
मनई महतारी बाप स कहत ह कि मोरे जेहि चीज
स तोहका फायदा मिल सकत ह, उ परमेस्सर क
दइ दीन्ह।' १२ तउ तू ओनकर महतारी बाप बरे कछू
करइ क मना करत ह। १३ इ नाई तू आपन रीति
रिवाज स परमेस्सर क बचन क बेकार बनइ देत ह,
अउर अइसी बहोत स बातन तू करत ह।"

१४ ईसू फिन भिरिया क बोलाएस अउर ओनसे
कहेस, "हर मनई मोरउ बात सुना अउर समझा।
१५ अइसी कउनो चीज नाहीं जउन मनई क बाहेर
स आवइ अउर ओका भीतर जाइके असुद्ध करइ।
मुला जउन चीज मनई क भीतर स आवत हीं, उ
ही ओका असुद्ध करत हीं।" १६ *

१७ फिन ईसू भीर क छोड़ि कइ घर गवा तउ
ओकर चेलन ओसे इ दिस्टान्त क बारे मँ सवाल
करेन। १८ तब ईसू ओनसे कहेस, "का तू पचे कछू
नाहीं समुझ पाया? कउनो बात जउन बाहेर ते
मनई क भीतर आवत हीं, का उ ओका असुद्ध कइ
सकी? १९ एह बरे उ सोझाई मनई क हिरदइ मँ जात
नाहीं। उ पेटवा मँ जात ह अउर इ गुह मँ होइ क
निकर जात ही।" (अइसा कहत उ सबइ खइया क
चीजन्क सुद्ध कहेस।)

२० अउर ईसू कहेस, "इ उही अहइ जउन
मनई क हिरदइ स आवत ह अउर ओका
असुद्ध करत ह। २१ मनई क हिरदइ स बुरा

---

‡‡७ :७ उद्धृत यसायाह २९ :१३

¶¶७ :१० निर्ग. २० :१२ ; व्यवस्था ५ :१६

§§७ :१० निर्ग. २१ :१७

*७ :१६ कछू यूनानी प्रतियन मँ पद १६ जोड़ा गवा अहइ : "यदि कउनो क सुनइ क कान होइँ तउ सुन लेइ।"

बिचार आवत हीं अउर अनैतिक करम, चोराउब, कतल करब, २२ व्यभिचार, लालच, दुस्टता, चाल चपेट, बेहूदगी, जलन, चुगुलखोरी, घमण्ड अउर बेवकूफी २३ ई सब बुरी चीज भीतर स आवत हीं अउ मनई क असुद्ध बहइ देत हीं।"

ईसू गैर यहूदी स्त्री क मदद करत ह

(मत्ती १५ :२१-२८)

२४ ईसू उ जगहिया छोड़ि दिहस अउ सूर (सहर क नाउँ अहइ) क आसपास क पहँटा मँ गवा। हुवाँ उ एक घरवा मँ गवा अउर नाहीं चाहेस कि कउनो ओकरे आवइ क बारे मँ जानइ। मुला उ आपन क नाहीं छुपाए पाएस। २५ असिल मँ एक ठु स्त्री जेके बिटिया क दुस्ट आतिमा घेरि लिहे रही, ईसू क बारे मँ सुनिके फउरन ओकरे पास आई, अउर गोड़वा प गिर पड़ी। २६ इ यूनानी क स्त्री रही अउर सीरियाक फिनीकी मँ पइदा भइ रही। उ आपन बिटिया स दुस्ट आतिमा भगावइ क ईसू स बिनती करेस।

२७ ईसू ओसे कहेस, "पहिले बचवन क अघाइ जाइ द्या। इ नीक नाहीं कि बचवन क रोटी छीन लेइ अउर कुकुरन क फेंक देइ।"

२८ तब उ ओका जबाव दिहस, "पर्भू! कुकुरन हु तउ मेजिया क तरखाले गिरा खइया क चूर चराबा खात हीं।"

२९ तब ईसू ओसे कहेस, "इ जवाबे क कारण तू आपन घर चइन स जाइ सकत ह। दुस्ट आतिमा तोहरे बिटिया क छोड़ि दिहस।"

३० एँह पइ उ घर गइ अउर आपन बिटिया क बिछउन प ओलरा पाइस तब तलक दुस्ट आतिमा ओसे निकर गइ।

ईसू गूँगा अउर बहिरा क चंगा किहेस

३१ तब ईसू सूर क चारिहुँ कइँती स लौटि आइ अउर दिकापुलिस माने दस नगर क डगर स सिदोन जात भवा गलील झील डाइ गवा। ३२ हुवाँ कछू लोग ईसू क नगिचे एक मनई क लइ आएन जउन बहिरा रहा अउर मुस्किल स बोल पावत रहा। अउर उ पचे ईसू स ओह पइ हथवा धरइ क बिनती करेन।

३३ ईसू भिरिया स दूर एक कइँती लइ गवा। ईसू आपन अँगुरिया मनई क कनवा मँ डाइस। फिन उ कनवा मँ थूक कइ, ओकर जिभिया छुइस। ३४ उ सरग क निहारेस, गहरी संसिया भरेस अउर ओसे कहेस, "इप्फत्तह!" (अरथ अहइ "खुलि जा।") ३५ अउर ओकर कनवन खुलि गएन अउर जिभिया क गंठिया खुलि गइ। फिन उ साफ साफ बोलाइ लाग।

३६ ईसू ओनका हुकुम दिहेस कि कउनहुँ क न बतावइँ। जेतना जिआदा उ ओनका हुकुम दिहेस उ पचे ओतनइ जिआदा बताइन। ३७ उ सबइ लोग पूरपूर अचरज मँ पड़ि गएन अउर कहेन, "ईसू हर काम नीक करत ह। उ हियाँ तलक बहिरन क सुनइ क सक्ति देत ह अउर गूँगन क बोलावत ह।"

चार हजार स जिआदा मनई क ईसू खियाएस

(मत्ती १५ :३२-३९)

८ १ ओनही दिनन मँ दूसर अउसर प भारी भीर जमा होइ गइ अउर ओनके पास खाइ क कछू नाहीं रहा। उ आपन चेलन क निअरे बोलाएस अउर ओनसे कहेस, २ "मोका इन मनइयन प तरिस आवत ह, अइसे कि उ पचे मोरे साथ पहिले क तीन दिनन स अहइँ। ओनेके लगे खाइ क कछू नाहीं। ३ उ जदि मइँ ओनका घरे भूखा पठवत हउँ, उ सबइ राहे मँ मर बिलाय जइहीं। ओहमाँ स कछू तू ढेर दूरी स आइ अहइँ।"

४ अउर ओकर चेलन जवाब दिहन, "इ जंगल मँ एनका खिआवइ क बरे कतहूँ का कउनो खूब खाइ क पाइ सकत ह, जेहसे एनका खियाइ दीन्ह जाइ?"

५ उ ओनसे पूछेस, "तोहरे पास केतनी रोटी अहइँ?"

"सात ठु" उ पचे जवाब दिहेन।

६ तब ईसू हुकुम दिहेस-भीर मइदान मँ बैठि जाइ। उ सात रोटी लिहस, फिन परमेस्सर क धन्यवाद दिहस। उ ओनका तोड़ेस। ओकरे बाद आपन चेलन क बाँटइ बरे दिहस। अउर उ पचे भिड़िया क लोग क बाँटेन। ७ ओनके लगे नान्ह नान्ह थोड़ी स मछरी भी रही। अउर उ धन्यबाद दइके ओनका बाँटइ बरे कहेस।

८ मनइयन अघाइ गएन अउर बचा खुचा रोटी क टुकड़न स सात झउआ उ पचे एकट्ठा करेन। ९ हुवाँ करीब चार हजार पुरुसन रहेन। तब उ ओनका बिदा करेस। १० अउर तुरंतहिं उ चेलन्क लइ क नाउ मँ बइठि के दलमनूता पहँटा मँ गवा।

फरीसी ईसू क परिच्छा लेइ क कोसिस किहेन

(मत्ती १६ :१-४ ; लूका ११ :१६, २९)

११ फिन फरीसियन आएन अउर ओसे सवाल करइ लागेन। उ सब ओसे एक ठु अद्भुत कारज बरे कहेन। उ पचे ओका परखइ बरे अइसा किहन। १२ आपन मनवा मँ गहरी सांस भरत ईसू कहेस,

"काहे ई पीढ़ी क मनई अद्‌भुत चीन्ह चाहत हीं ?
मइँ तोहका सच सच कहत हउँ। कउनो अद्‌भुत
चीन्ह क पीढ़ी क न दीन्ह जाई।" १३ तबहिं उ
ओनका छोड़ि दिहस। फिन नाउ मँ बइठ गवा,
अउर झील क उ पार गवा।

यहूदी नेतन क खिलाफ ईसू क चितावनी

(मत्ती १६ :५-१२)

१४ ईसू क चेलन खइया क जिआदा लइ आउब
बिसर गएन। ओनके लगे एक ठु रोटी क बजाय
कछू नाहीं रहा। १५ ईसू ओनका चितावनी देत
कहेस, "हुसियार! फरीसियन अउर हेरोदेस क
खमीर †स बचा रहा।"

१६ "हमरे लगे एक ठु रोटी नाहीं इस प उ पचे
आपुस मँ छानबीन करइ लागेन।"

१७ उ सबइ का कहत अहइँ इ जानत भवा ईसू
ओनसे कहेस, "रोटी नाहीं होइ क कारण तू सबइ
काहे सोचत बिचारत अहा ? का तू अबहुँ समझत
बुझत नाहीं बाटचा ? का तोहार बुद्‌धि जड़ अहइ ?
१८ तोहरे आँखिन अहइँ, का तू देखि सकत्या नाहीं ?
तोहरे कान अहइँ, का तू सुन सकत्या नाहीं ? का
तोहका याद नाहीं ? १९ जबहिं मइँ पाँच रोटिन्क
पाँच हजार मनइयन मँ तोड़िउँ। केतना झउआ
रोटी क टुकड़न स भरा भवा तू बटोर्या ?"

उ पचे कहेन, "बारह।"

२० "अउर जबहिं मइँ सात रोटिन्क क चार हजार
बरे तोड़यों। कइ झउआ रोटिन्क टुकड़न क तू
बटोर्या ?"

उ सबई कहेन, "सात।"

२१ तबहिं उ ओनसे पूछेस, "का तू पचे अबहुँ
नाहीं बूझया ?"

ईसू आँधर मनई क चंगा किहेस

२२ उ पचे बैतसैदा गएन। हुँवा कछू लोग ओकरे
पास एक ठो आँधर पकड़ि ले आइन अउर उ सबइ
ईसू स ओका छुअइ क बिनती करेन। २३ उ आँधर
मनई क हथवा पकड़ेस अउर ओका गाउँ क बाहेर
लइ गवा। ईसू आँधर क आँखिन प थूकेस, "का तू
कउनो चीज निहारत ह ?"

२४ आँधर मनई निहारेस अउर कहेस, "मइँ
मनइयन क देखात हउँ, उ सबई बिरवा क नाईं
आसि पासि चलत देखत अहइँ।"

२५ तबहिं ईसू आपन हथवा मनई क आँखिन प
पुनि धरेस। फिन उ आपनि आँखिन पूरी पूरी खोलि
दिहेस। ओका आँखिन क जोती मिलि गइ। अउर
उ सबहुँ क नीक-नीक निहारइ लाग। २६ तब ईसू
ओका घरे पठइ दिहस, इ कहत कहत, "गाउँ मँ
जिन जा।"

पतरस कहत ह ईसू अहइ मसीह

(मत्ती १६ :१३-२० ; लूका ९ :१८-२१)

२७ अउर ईसू अउर ओकर चेलन कैसरिया
फिलिप्पी क पड़ोसी गाउँन मँ चलेन। ईसू राहे मँ
चेलन स पूछेस, "लोग का कहत हीं कि मइँ कउन
हउँ ?"

२८ अउर उ सबई जवाब दिहेन, "बपतिस्मा
देइवाला यूहन्ना। मुला दूसर कछू लोग
एलिय्याह अउर दूसर कछू तोहका नबियन मँ
एक नबी कहत हीं।"

२९ फिन उ ओनसे पूछेस, "तू का कहत ह मइँ
कउन हउँ ?"

पतरस ओसे जवाब दिहेन, "तू मसीह अहा।"

३० तबहिं ईसू ओन चेलन क चितावनी दिहेस,
कि ओकरे बारे मँ कउनो स जिन कहइँ।

ईसू द्वारा आपन मउत क भविस्सवाणी

(मत्ती १६ :२१–२८ ; लूका ९ :२२–२७)

३१ अउर उ ओनका समझाउब सुरु करेस, "मनई
क पूत क बहोत दु:ख झेलइ पड़इ क होइ अउर
बुजुर्ग यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन स धकियाइ दीन्ह जाइ। अउर उ
निहचइ ही मारि डावा जाइ अउर फिन उ तिसरे
दिन जी उठी।" ३२ ईसू ओनका इ बात सच सच
बताइ दिहस।

फिन पतरस ओका एक कइँती लइ गवा अउर
फटकारइ लाग। ३३ मुला ईसू पाछे घूमि के आपन
चेलन निहारेस अउर पतरस क फटकारि के कहेस,
"सइतान! मोसे पाछे जा। परमेस्सर क बातन
स तोहका कउनो मतलब नाहीं, मुला मनई क
बातन्क तोहका मतलब अहइ।"

३४ तब उ भीर क चेलन संग निअरे बोलाएस
अउर उ ओनसे कहेस, "जदि कउनो मोरे पाछे
आवा चाहत ह तउ उ आपन सब कछू तजि
दे। ओका आपन क्रूस उठाइ लेइ चाही अउर
ओका मोरे पाछे होइ चाही। ३५ मुला जउन आपन
जिन्नगी क बचावा चाहत ह, उ एका खोइ
देइ। अउर जउन आपन जिन्नगी मोका अउर
सुसमाचार बरे खोई उ एका बचावा चाही। ३६ अगर

---

†८ :१५ खमीर खमीर सब्द क अरथ अहइ बुरा असर क रूप मँ।

कउनो मनई आपन आतिमा खोइ के समूची दुनिया लइ लेत ह, तउ ओसे का फाइदा ?[३७] अइसे कउनो मनई कउनो ठो चीज क बदले आतिमा नाहीं पाइ सकत।[३८] जदि कउनो व्यभिचार अउर पापी पीढ़ी मँ मोर नाउँ अउर उपदेस क कारण सर्माात ह तउ मनई क पूत जब पवित्तर सरगदूतन क संग आपन परमपिता क महिमा लइ के आई तउ उहउ सर्माइ जाई।"

[१]अउर ईसू ओनसे कहेस, "मइँ सबन क सच सच बताउब, जउन हियाँ खड़ा अहइँ, ओहमाँ स कछु परमेस्सर क राज्य सक्ति क संग आवइ स पहिले देखिहीं अउर मरइ क अंजाद न करिहीं।"

मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू क दरसन देब

(मत्ती १७ :१-१३ ; लूका ९ :२८-३६)

[२]छः दिना पाछे ईसू सिरिफ पतरस, याकूब अउर यूहन्ना सबक संग लइके एक ऊँच पर्वत प खुद गवा। हुवाँ उ ओनके समन्वा आपन भेस बदल लिहस। [३]ओकर ओढ़ना चमचमाइ लागेन एकदम्मइ उजिअर। धरती प कउनो धोबी ओतना उजिअर ओसे जिआदा नाहीं धोइ सकत रहा। [४]एलिय्याह अउर मूसा भी ओनके संग परगट भएन। अउर उ सबइ ईसू स बतियात रहेन।

[५]तब पतरस बोल उठा अउर ईसू स कहेस, "गुरु, इ भल भवा कि हम हियाँ अही। हमका तीन तम्बू लगावइ द्या, एक तोहरे बरे, एक ठु मूसा बरे अउर एक ठु एलिय्याह बरे।" [६]पतरस इ एह बरे कहेस जइसे उ जानत नाहीं रहा कि उ का बोली। इ तरह उ पचे डेराइ गएन।

[७]एक बादर आवा अउर ओनका आपन छाया स ढाँकि लिहस। बदरा स एक आवाज कहत भइ होइ गइ, "इ मोर पियारा पूत अहइ। ओका सुना !"

[८]अउर फउरन उ पचे चारिहुँ कइँती निहारेन। सिरिफ ईसू क छाँड़िके उ पचे कउनो क देखेन नाहीं।

[९]जइसे उ सब पहाड़ स तरखाले उतरत रहेन, ईसू ओनका हुकुम दिहस कि कउनो क न बतावइँ जउन उ सब निहारेन ह, जब तलक मनई क पूत मरि गए लोगन्स जी न जाइ।

[१०]अउर उ सबइ इ बतिया क आपन जिअरा मँ छिपाइ रहेन मुला उ सबइ आपुस मँ सोचत बिचारत रहेन कि "मरिके जी उठब" क अरथ का बाटइ। [११]फिन उ पचे ईसू स पूछेन, "धरम सास्तिरियन काहे कहत हीं कि एलिय्याह सबस पहिले आई ?" ‡

[१२]ईसू ओनसे कहेस, "हाँ ! सब बातन क ठीक करइ बरे एलिय्याह सबन्स पहिले आवत ह। मुला इ काहे मनई क पूत क बारे मँ पवित्तर सास्तर अहइ कि उ बहोत स दुःख भुगुती अउर उ घिना स दुत्कार जाई। [१३]मुला मइँ तू सबन क बतावत अही, एलिय्याह आइ चुका अहइ। जउन जउन उ पचे चाहेन, ओकरे साथ उ पचे वइसे किहन; जइसा ओकरे बारे मँ पवित्तर सास्तरन मँ बाटइ।"

ईसू बेरमिया लरिका क चंगा किहेस

(मत्ती १७ :१४-२० ; लूका ९ :३७-४३a)

[१४]अउर जबहिं उ सबइ दूसर चेलन क लगे आएन तउ उ पचे एक भारी भीर क जमघट ओनके चारिहुँ कइँती देखेन कि धरम सास्तियिन ओनसे तहत्तुक करत रहेन। [१५]जइसे ही सब मनइयन ओका निहारेन, उ पचे विस्मय मँ पड़ि गएन अउर ओका भेंटइ बरे ओकरे कइँती उ सबइ भागेन।

[१६]उ ओनसे पूछेस, "तू सबइ ओनसे काहे क बारे मँ विवाद करत ह ?"

[१७]एह पइ एक मनई भिरिया स जबाव दिहस, "गुरु, मइँ आपन बेटवा तोहरे लगे लिआइ अही। ओह पइ एक ठु दुस्ट आतिमा सवारि अहइ, जउन ओका बोलावइ देत नाहीं। [१८]जब कबहुँ दुस्ट आतिमा एँका पकरि लेत ह, उ एँका फेंकि देत ह अउर एँकरे मुँहुना स झागि निकारइ लगत ह। ओकरे बाद उ दँतवन क पीसत ह अउर उ अकड़ि जात ह। मइँ तोहरे चेलन स कह्यों कि ओका भगावा, मुला उ सबइ करि सकेन नाहीं।"

[१९]तबहिं ईसू जवाबे मँ ओनसे कहेस, "अरे ! बिसवास न करइवाले मनइयो ! कब तलक मइँ तोहरे लगे रइहउँ ? कब ताई तोहरे लगे सहब ? लरिकवा क मोरे लगे लिआवा।"

[२०]फिन उ सबइ लरिकवा क ओकरे लगे लेवाइ लिआएन। जबहिं दुस्ट आतिमा ईसू क देखेस। फउरन उ लोरिकवा क अइँठ दिहस। लरिकवा भुइँया प गिरि गवा अउर मुँहे स झाग निकारत चारिहुँ ओर लोटइ पोटइ लाग।

[२१]तब्बइ ईसू लरिका क बाप स पूछेस, "इ अइसा कब स लरिकवा क होत अहइ ?"

तब बाप कहेस, "अइसा बचपन स होत आवत अहइ। [२२]दुस्ट आतिमा एँका कइउ दाईं आगी मँ अउर कबहुँ पानी मँ मारइ खातिर नाइ देत ही।

---

‡९ :११ एलिय्याह ... आई देखा मलाकी ४ :५-६

लेकिन का तू कछू कइ सकत ह ? हम पइ दया करा अउर हमार मदद करा।"

२३ ईसू ओसे कहेस, "तू कह्या जदि तू कछू कइ सका ? जउन बिसवास करी, ओका बरे सब कछू होइ जाई।"

२४ तुरंतहीं लरिका क बाप चिचिआन अउर कहेस, "मइँ जरूर बिसवास करत हउँ। तू हमार अबिसवास हटावा।"

२५ जब ईसू देखेस कि भारी भीर ओकरे लगे निचकात अहइ, उ दुस्ट आतिमा क ललकारेस अउर ऍका कहेस, "ओ दुस्ट आतिमा ! तू इ बचवा क गूँगा बहिरा करइवाली मइँ तोका हुकुम देत अही। ओसे बाहेर आव, ओहमाँ फिन स घुस जिन।"

२६ तब उ दुस्ट आतिमा चिचिआन अउर लरिकवा क झपटिके अँइठेसि अउर ओसे बाहेर गइ। अइसन लगा कि लरिकवा मर गवा अहइ। बहुत स लोग कहेन, "उ मर गवा !" २७ फिन ईसू ओकर हाथ पकरि क उठाएस अउर ओका गोड़वन प खड़ा करेस अउ लरिका खड़ा होइ ग।

२८ ओकरे पाछे उ घर मँ गवा अउर ओकर चेलन अकेल्ले मँ पूछेन, "काहे क हम दुस्ट आतिमा क भगाइ नाहीं सकेन ?"

२९ ऍह पइ ईसू जबाव दिहेस, "इ तरह दुस्ट आतिमा बगैर पराथना क बाहेर नाहीं आवत।"

आपन मउत क बारे मँ ईसू क कहब

(मत्ती १७ :२२-२३ ; लूका ९ :४३b-४५)

३० उ सबइ हुवाँ छोड़ि चलेन अउर गलील होइ क जात रहेन अउ ईसू नाहीं चाहत रहा कि कउनो एका जानइ कि उ सब कहाँ बाटन ? ३१ एह बरे उ आपन चेलन क सिच्छा देत रहा। उ ओनसे कहेस, "मनई क पूत मनइयन क हाथन स पकड़वाइ जाई अउर उ सबइ ओका मारि डइहीं। मारि डाए क तीन दिना क पाछे उ जिन्दा होइ जाइ।" ३२ मुला चेलन इ न समझेन कि ईसू का मतलब अहइ अउर उ ओसे ऍकरे बारे मँ पूछइ क डेरात रहेन।

ईसू कहत ह कि सबते बड़कवा कउन अहइ

(मत्ती १८ :१-५ ; लूका ९ :४६-४८)

३३ ईसू चेलन क साथ कफरनहूम आएन। उ सबइ एक घरे मँ गएन। उ ओनसे पूछेस, "राहे मँ तू सबइ का बतियात रह्या ?" ३४ मुला उ सबइ खमोस होइ गएन। एह बरे उ सबइ राहे मँ एक दुसरे स सोचेन बिचारेन कि कउन सबस बड़कवा अहइ।

३५ तउ उ बैठि गवा। उ बारहु प्रेरितन आपन नगिचे बोलाएस अउर ओनसे कहेस, "जदि कउनो सब स बड़का होइ चाहत ह, तउ ओका सब स छोट होइ क परी अउर उ सबन क नउकर होइ।"

३६ अउर एक बचवा क लइके सब क समन्वा खड़ा किहेस। ओका आपन कोरा मँ लेत भवा ईसू ओनसे कहेस, ३७ "जउन एकउ इन बचवन मँ एकउ क मोरे नाउँ स आपनावत ह, उ हमार सुआगत करत अहइ, उ न सिरिफ मोका अपनावत ह, मुला उहउ क अपनावत ह, जउन मोका पठएस ह।"

जउन हमार बिरोधी नाहीं, उ हमार आटइ

(लूका ९ :४९-५०)

३८ यूहन्ना ईसू स कहेस, "गुरु हम तोहरे नाउँ स कउनो क दुस्ट आतिमन क बाहेर निकारत देखेन ह। हम ओका रोकब चाहा, मुला उ हम पचन मँ नाहीं रहा।"

३९ फिन ईसू कहेस, "ओका रोका जिन। इ नाते जउनहुँ मोरे नाउँ स अद्भुत कारजन चाहत बाटइ, उ फउनर मोरे बरे भद्दी बात न कहि पाई। ४० जउन मोरे खिलाफ नाहीं, उ हमरे कइँती अहइ। ४१ जउनहुँ तोहका एक लोटा पानी भरि के देइ कि तू मसीह क बाटच्या, मइँ तोहका सच सच बतावत हउँ, उ जरूर सुफल होइ जाए बिना न रही।

पापन क परिणामे क बरे ईसू क चेतौउनी

(मत्ती १८ :६–९ ; लूका १७ :१–२)

४२ "जउन इन नान्ह अबोध बचवन मँ स कउनो क जउन मोरे मँ बिसवास करत हीं, ओनसे पाप करावत हीं, तउ ओकरे बरे इ नीक होइ कि ओकरे गटइया मँ चकिया क पाट बाँधिके ओका समुद्दर मँ झोंकि देई। ४३ जदि तोहार हाथ तोसे पाप करवावत ह, तू ऍका काट द्या। हथ कटा होइ क अनन्त जीवन मँ प्रवेस करना नीक अहइ। बजाऍ ऍहके कि दुइ हाथ धरइ अउर नरक मँ नाइ दीन्ह जाइ, जहाँ अगिया कबहुँ न बुझत। ४४ ¶४५ जदि तोहार गोड़ तोसे पाप करावत ह, ओका काट द्या। लँगड़ा होइ क अनन्त जीवन मँ प्रवेस करना जिआदा नीक होइ, बजाय ऍकरे कि दुइनइँ गोड़वा धइ क नरके मँ नाइ दीन्ह जाइ। ४६ §४७ जदि तोहार आँख तोसे पाप करावत ह, ओका निकारि

¶९ :४४ कछू यूनानी प्रतियन मँ पद ४४ जोड़ा गवा अहइ, इ भाग पद ४८ क समान अहइ।
§९ :४६ कछू यूनानी प्रतियन मँ पद ४६ जोड़ा गवा अहइ, इ भाग पद ४८ क समान अहइ।

डावा। काना होइके परमेस्सर क राज्य मँ घुसब जिआदा नीक अहइ, बजाय कि दुइ आँखिन वाला होइके नरक मँ नाइ दीन्ह जाइ। ४८ जहाँ कि किरवा मरतेन नाहीं। हुवाँ आगी कबहुँ बुझत नाहीं।

४९ "हर मनई क आगी प नोनखार कीन्ह जाई।

५० "नोन नीक होत ह जदि नोन आपन सोवाद तजि देइ, तउ एँका नोनखार फिन कइसे बनउब्या ? आपन मँ नोन राखा। एक दूसर क संग सांति स रहा।"

तलाक क बारे मँ ईसू क उपदेस

(मत्ती १९ :१-१२)

१० १ फिन ईसू उ जगह छोड़ि दिहस अउर यहूदिया क पहँटा अउर यरदन नदी क पार गवा। फिन भीर प भीर ओकरे नगिचे आवइ लाग। जउसे ओकर रीति रही, ईसू ओनका उपदेस देइ लाग।

२ अउर कछू फरीसियन ओकरे लगे आएन अउर उ सबइ ओसे पूछेन, "का इ कनून पुरुस क लिये नीक बाटइ कि उ आपन पत्नी क तलाक देइ दे ?" उ सबइ ओसे ओका जाँचइ बरे पूछेन।

३ ईसू ओनका जबाव दिहेस, "मूसा तोहका का आदेस दिए बाटेन ?"

४ उ सबइ कहेन, "मूसा पुरुस क एक ठु तलाक क त्याग पत्र लिखिवाइ आपन पत्नी क तलाक बरे हुकुम देहेस।"

५ ईसू ओनसे कहेस, "मूसा इ आदेस एह बरे लिखेस कि तू सबइ नासमुझ अहा। ६ सृस्टि क सुरुआत स, 'परमेस्सर पुरुस अउर स्त्री बनाएस।' **७ 'एह बरे पुरुस आपन महतारी बाप क छोड़ि देइ अउर आपन पत्नी क संग रही।' ††८ दुइनउँ एक तन होइ जइहीं। तइसे उ दुइनउँ अलग नाहीं, मुला एक ठु अहइँ। ९ एह बरे जेकर परमेस्सर जोरि दिहे अहइँ, ओहका मनई क अलग नाहीं करइ चाही।"

१० जब उ सबइ गरवा मँ फिन स आएन, तउ चेलन एँकरे बारे मँ ओसे पूछेन। ११ अउर ईसू ओनसे पूछेस, "जउन आपन पत्नी क तलाक दइ देत ह, अउर दूसर स्त्री स बियाह करत ह, उ ओकरे खिलाफ व्यभिचार करत ह। १२ अगर स्त्री आपन पति क तजि देत ह अउर दूसर पुरुस स बियाह करत ह, तो उ व्यभिचारी ह।"

ईसू बचन क आसीर्बाद बरे

(मत्ती १९ :१३-१५ ; लूका १८ :१५-१७)

१३ फिन मनइयन गदेलन क ओकरे लगे लइ आवइ लागेन, इ नाते कि उ ओनका छुइ लेइ अउर आसीर्बाद देइ मुला चेलन ओनका फटकारि दिहन। १४ जब ईसू इ देखेस, उ कोहाय ग अउर उ ओनसे कहेस, "गदेलन क मोरे निअरे आवइ द्या। ओनका जिन रोका, इ नाते परमेस्सर क राज्य अइसन स नाता जोरत ह। १५ मइँ तोहका सच सच बतावत हउँ, जउन परमेस्सर क राज्य क गदेलन क नाईं सुआगत न करी, उ राज्य मँ कबहुँ न घुसी।" १६ ईसू आपन कोरा मँ गदेलन क उठाएस। उ आपन हथवा ओनके ऊपर धरेस अउर आसीर्बाद दिहेस।

ईसू स धनी मनई क सवाल

(मत्ती १९ :१६-३० ; लूका १८ :१८-३०)

१७ जइसे उ जात्रा प जाइ क रहा, एक मनई ओकरे लगे आइ अउर घुटुनवा टेकिके बोला अउ ओसे पूछेस, "उत्तम गुरु! अनन्त जीवन पावइ क हक बरे ओका का करइ क चाही ?"

१८ ईसू ओसे कहेस, "तू मोका उत्तम काहे कहत ह ? सिरिफ परमेस्सर क छोड़िके कउनो उत्तम नाहीं। १९ तू आदेस क जानत ह। 'जीउ जिन मारा, व्यभिचार जिन करा, चोरी जिन करा, झूठी गवाही जिन द्या, ठगी जिन करा, आपन महतारी बाप क इज्जत करा।'"

२० उ मनई ओसे कहेस, "गुरु मइँ आपन लरिकइँ स इन सब बातन पर चलत आवत हउँ।"

२१ ईसू ओका निहारेस। ओकरे बरे पिरेम भाउ रखेस अउर ओसे कहेस, "तोहमाँ एँक बात क कमी अहइ जा अउर बेंचि आवा जउन तू धरे अहा। तब एक गरीबे क द्या। ओकरे बाद तू सरगे मँ खजाना रखब्या। तब्बई तू आवा अउर मोरे पाछे चला।"

२२ अइसे बयान पर ओकर मुँह उतर गवा अउर निरास होइ के चला गवा। इ नाते कि उ धनवान रहा।

२३ ईसू चारिहुँ कइँती देखेस अउर आपन चेलन स कहेस, "केतना मुस्किल बाटइ ओनके बरे जउन धनी होइके परमेस्सर क राज्य मँ घुसइ चाहत अहइँ।"

२४ चेलन इ बचनन प अचरजि मँ परि गएन। तउ फिन ईसू ओनसे कहेस, "मोर गदेलन!

**१० :६ उत्पत्ति १ :२७ ; ५ :२
††१० :७ उत्पत्ति २ :२४

परमेस्सर क राज्य मँ घुसब केतना मुस्किल अहइ।
२५ ऊँट क सुई क नोंके स घुसरब असान अहइ,
बजाय एक धनी मनई क परमेस्सर क राज्य मँ
जाब!"

२६ ओनका अउ जिआदा अचरज भवा, अउर
आपुस मँ एक दुसरे स बतियाइ लागेन, "तब कउने
क उद्धार होई?" २७ ओनका लखत, ईसू कहेस,
"मनई अइसा कबहुँ नाहीं कइ सकत, मुला इ
परमेस्सर बरे अइसा नाहीं।"

२८ पतरस ओसे कहइ लाग, "देखा, हम सब कछू
तजि दिहन अउर तोहरे पाछे होइ गएन!"

२९ ईसू कहेस, "मइँ तोसे सच सच कहत
हउँ, कउनो अइसा नाहीं जउन मोरे बरे अउर
सुसमाचार बरे घर-दुआर, भाइयन, बहिनियन,
महतारी, बाप, गदेलन, खेत अउर क तजि देइ,
३० जउन इ जुगे मँ घरन भाइयन, बहिनियन,
महतारीयन, गदेलन अउर खेतन क संग सताव
सउ गुना जिआदा न पाइ, अउर आवइवाला जुग
मँ अनन्त जीवन। ३१ मुला बहोत जने जउन आज
सबते पाछे अहइँ, उ सबते पहिले होइहीं। जउन
सबते पहिले अहइँ, उ सबइ पाछे होइहीं।"

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी किहेस

(मत्ती २० :१७-१९ ; लूका १८ :३१-३४)

३२ फिन उ सबइ यरूसलेम जात जात रस्ता मँ
रहेन, ओनमें ईसू सबते आगे चलत जात रहा।
उ सबइ खुबइ अचिरजे मँ डेरानेन। जउन पाछे
रहेन, उ पचे ससान रहेन। ईसू बारहु प्रेरितन क
एक कइँती लइ गवा अउर ओनका बतावइ लाग
कि ओकरे संग का घटइवाला अहइ। ३३ "सुन, हम
पचे यरूसलेम जात अही, अउर मनई क पूत क
दुराव स मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन
पकड़वाइ के दइ देइहीं। अउर उ सबइ ओका मउत
क सजा देइके गैर यहूदी क दइ देइहीं। ३४ जउन
ओकर हँसी करिहीं अउर उ पचे ओह पइ थुकिहीं।
उ सबइ ओका कोड़ा स पिटहीं अउर मारि डइहीं।
तीन दिना क पाछे उ जी जाई।"

याकूब अउर यूहन्ना क ईसू स हठ

(मत्ती २० :२०-२८)

३५ फिन जब्दी क बेटवन याकूब अउर यूहन्ना
ओका लगे आएन अउर ओसे कहेन, "गुरु, हम
चाहित ही कि हम जउन तोसे करइ क कही, ओका
तू हमरे बरे कइ द्या।"

३६ ईसू ओनसे कहेस, "तू मोसे आपन बरे का
करवावइ क चाहत ह?"

३७ उ सबइ ओसे कहेन, "तू आपन महिमा मँ हम
पचेन क बइठइ क अधिकार द्या। हम पचेन मँ एक
ठु तोहरे दाएँ अउर एक ठु तोहरे बाएँ बइठइ।"

३८ ईसू ओनसे कहेस, "तू जानत ह नाहीं कि तू
सबइ का कहत ह। जउन लुटिया मइँ पिअइ जात
हउँ, का तू पी सकत ह? का जउन बपतिस्मा मइँ
लेवइ क हउँ, का तू पचे उ बपतिस्मा क लइ सकत
ह?"

३९ उ पचे ओसे कहेन, "हम वइसा करि सकित
ह।" फिन ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ लुटिया
भरि के पीब्या जउन मइँ करि सकत हउँ? जउन
बपतिस्मा मइँ लेइ का हउँ, का तू सबइ लइ
सकत ह? ४० मुला मोरे दाँए अउर बाँए बइठइ
का जगहिया देब मोर अधिकार नाहीं अहइ। इ
जगहियन ओनही मनइयन क बरे अहइँ, जेनके
बरे उ सबइ तइयार कीन्ह ग अहइँ?"

४१ जब बाकि दसहु एँकरे बारे मँ सुनेन तउ उ पचे
याकूब अउर यूहन्ना प गुस्सा करेन। ४२ फिन ईसू
आपन लगे ओनका बोलाएस अउर ओनसे कहेस,
"तू जानत ह कि जउन गैर यहूदियन प राज करत
हीं, उ हुकुम ओन पइ चलावत हीं अउर ओनका
अउर ओनके मुख्य नेतन क ओन प प्रभाव बाटइ।
४३ मुला तोहरे संग अइसा नाहीं बाटइ। तू सबन
मँ जउन बड़वार होइ चाहत ह, उ तोहार नउकर
बनइ। ४४ अउर तू पचन मँ जउन मुखिया बना
चाहइ उ तोहार गुलाम बनइ। ४५ मनइँ क पूत
हु सेवा करावइ नाहीं आइ अहइ मुला उ सेवा
करइ आइ अहइ अउर आपन जीउ क बहोतन क
छुटकारा बरे आइ अहइ।"

आँधर क आँखिन

(मत्ती २० :२९-३४ ; लूका १८ :३५-४३)

४६ फिन उ सबइ यरीहो आएन अउर जब ईसू
एक भारी भीर क संग आपन चेलन क लइके यरीहो
जात रहा तउ तिमाई क बेटवा बरतिमाई नाउँ क
एक ठो आँधर भिखमंगा सरक क किनारे बइठा
रहा। ४७ जब उ सुनेस कि नासरत क ईसू अहइ,
उ चिचिआइ क कहइ लाग, "ईसू, दाऊद क पूत!
मो पर दाया कर!"

४८ अउर बहोत मिला ओका डाटेन अउर ओका
चुप रहइ क कहेन। तब ओकर अवाज ऊँच स ऊँच
होत गइ, "दाऊद क पूत! मो प दाया कर!"

४९ तउ ईसू रुका अउ कहेस, "ओका मोरे लगे
बोलाँवा।"

एह पइ उ सबइ आँधर क बोलाएन अउर ओसे
कहेन, "मनवा क मजबूत करा खरा ह्वा। ईसू

तोहका बोलावत ह।" ५० उ आँधर आपन लबादा
फेंकि दिहस अउर उछ्रि पड़ा अउर फिन ईसू क
लगे गवा।
५१ तब ईसू ओसे कहेस, "तू मोसे आपन बरे का
करवावइ चाहत ह?"
आँधर ओसे कहेस, "हे गुरु, मइँ पुनि देखइ
चाहत हउँ।"
५२ तउ ईसू ओनसे कहेस, "जा। तोहरे बिसवास
स तोहार उद्धार भवा।" अउर उ फउरन देखइ
लायक होइ सका। फिन उ ईसू का पाछे सरक प
होइ गवा।

ईसू यरूसलेम मँ राजा क नाई घुसत ह

(मत्ती २१:१-११; लूका
१९:२८-४०; यूहन्ना १२:१२-१९)

११ १ फिन जइसे यरूसलेम क नगिचे जैतून
क पहाड़ी प बैतफगे अउर बैतनिय्याह
पहुँचेन, उ आपन चेलन मँ दुइ क पठएस। २ अउर
ओसे कहेस, "जा गाउँ मँ जइसे तू हुवाँ घुसब्या,
तू एक ठु गदही क बच्चा बाँधा भवा पउब्या, जेह
प पहिले कबहुँ नाहीं कउनो चढ़ा होई। ओका
खोल द्या अउर हियाँ लिआवा। ३ जदि तोसे कउनो
पूछइ कि तू अइसे काहे करत अहा, तउ तू कह्या,
'प्रभू क एँकर जरूरत अहइ, फिन उ एँका फउरन
पठइ देइ।'"
४ तउ उ पचे चलि पड़ेन। उ गदही क बच्चा क
बँधा भवा दुआर क नगिचे खुली मँ पाएन। उ पचे
ओका छोरि दिहन। ५ कछू मनई जउन हुवाँ खरा
रहेन ओनसे पूछेन, "उ गदहिया क बच्चा क काहे
तू पचे छोरिके का करत बाटच्या?" ६ उ पचे ओनका
बताएन जरुन ईसू कहेस। तउ उ सबइ ओनका
जाइ दिहेन।
७ उ पचे गदहिया का बच्चा क ईसू क लगे लइ
आएन। अउर उ पचे आपन ओढ़ना ओह प डारि
दिहन। फिन ईसू ओह प बइठा। ८ बहोत मिला
आपन लबादा क सरकिया प डारि दिहन अउर
दूसर खेते स टहनियन क काटि लिहन अउर हुवाँ
बिछ्राइ दिहन। ९ उ मनइयन जउन ईसू क अगवा
अउर पाछे चलत रहेन, उ पचे पुकार रहेन:
"'होसन्ना!' ‡‡
'धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ प आवत ह!' ¶¶
१० "धन्य अहइ हमार पिता दाऊद क राज्य क
अवाई,
जउन आवत अहइ,
होसन्ना सरग मँ!"
११ तब ईसू यरूसलेम घुसा अउर मन्दिर मँ
घुसा। उ हर चीज क चारिहुँ कइँती निहारेस। एह
बरे दिन ओनवत देर होइ गइ। उ बारहु प्रेरितन
क संग बैतनिय्याह चला गवा।

ईसू कहेस क अंजीर क पेड़ मरि जावई

(मत्ती २१:१८–१९)

१२ दूसरे दिन जब उ सबइ बैतनिय्याह स
निकसत रहेन, ओनका भूखि लाग। १३ तनिक दूरी
प ओका एक ठु हरिअर अंजीर क पेड़ देखान। उ
देखइ गवा कि ओका कछू खाइके ओह प मिल
जाइ। जब उ पेड़े क लगे आवा, उ पातिन छोड़िके
कछू नाहीं पाएस, काहेकि इ रितु अंजीर क नाहीं
रही। १४ तबहिं उ बिरवा स कहेस, "अब तोसे कबहुँ
कउनो तोहार फल फिन न चखी।" ओकर चेलन इ
सुनेन।

ईसू क मन्दिर जाब

(मत्ती २१:१२-१७; लूका
१९:४५-४८; यूहन्ना २:१३-२२)

१५ तबहिं उ सबई यरूसलेम गएन अउर उ पचे
मन्दिर मँ घुसेन तउ ईसू ओनका निकारइ लाग
जउन मन्दिर मँ बेसहत अउर खरीदत रहेन। उ
पइसे क लेब देब करइया महाजनन क चउकियन
क पलट दिहस अउर कबूतरे क बेचवइयाँ क
बिंचिया पलटेस। १६ उ मन्दिर मँ स कउनो क
कउनो क कछू नाहीं लइ जाइ दिहस। १७ तबहिं
उ ओनका उपदेस देइ लाग। फिन उ ओनसे कहेस,
"का इ पवित्तर सास्तरन मँ लिखा नाहीं बाटइ कि,
'मोर घर पराथना घर कहा जाई?' §§मुला तू पचे
एँका 'चोरन क अड्डा बनइ दिहा।' *"
१८ जबहि मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन इ बात सुनेन, उ सबइ ओका मारि
डारइ क तरकीब सोचइ लागेन। अइसे उ पचे
डेरानन, काहेकि ईसू क उपदेस स सब मनइयन

---

‡‡११:९ होसन्ना इब्रानी सब्द परमेस्सर क सहायता बरे पराथना कीन्ह जात अहइ। इस समइ परमेस्सर
या मसीह बरे प्रसंसा अउ आनन्द अहइ।
¶¶११:९ उद्धृत भजन संहिता ११८:२५-२६
§§११:१७ यसा. ५६:७
*११:१७ यिर्म. ७:११

अचरजि मँ पड़ि गएन। १९ फिन जब सांझ भइ
तउ उ सबइ सहर स बाहेर गएन।

विसवास क सक्ति

(मत्ती २१ :२०-२२)

२० दुसरे दिन भिंसारे जबहिं ईसू आपन चेलन क
संग जात रहा तबइ उ पचे उ अंजीर क बिरवा क
जड़े स झुराइ गवा देखेन। २१ तइसे पतरस याद
कइके ईसू स कहेस, "हे गुरु, जउने अंजीर क
बिरवा क तू सराप्या ह, उ झुराइ गवा ह।"
२२ ईसू ओनका जबाव दिहेस, "परमेस्सर मँ
बिसवास राखा। २३ मइँ तोसे सच सच कहत हउँ :
जदि कउनो इ पहाड़े स कही 'तू उठि जा अउर
समुद्दर मँ फाट पड़ा।' अउर ओकरे मनवा मँ
रचिकउ संदेह नाहीं रही मुला बिसवास होई कि
जइसा उ कहेस ह, वइसा होइ जाइ तउ ओकरे बरे
वइसा होई। २४ एह बरे मइँ तोहका बतावत अही
कि तू पराथना मँ जउन मंगब्या बिसवास करा उ
तोहका मिलि गवा ह अउर उ तोहरा होइ ग अहइ।
२५ अउर जब कबहुँ तू पराथना करत खड़ा होइ जा
तउ कउनो कि खिलाफ तोहका सिकाइत होई तउ
ओका तू छमा कइ द्या जइसे सरगे मँ स्थित तोहार
परमपिता तोहरे पापन्क छमा कइ देई।" २६ †

यहूदी नेतन क ईसू क अधिकारे प संदेह

(मत्ती २१ :२३-२७ ; लूका २० :१-८)

२७ फिन उ पचे यरूसलेम लउट आएन। ईसू
जब मन्दिर मँ टहरत रहा तउ मुख्ययाजकन,
धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क लगे
आएन। २८ उ पचे ईसू स कहेन, "हमका बतावा!
तू इ कामन क कउने अधिकार स करत बाटचा ?
कउन तोहका अधिकार दिहेस ह ?"
२९ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे एक सवाल
पूछत हउँ। तू मोरे सवाल क जबाव द्या ? तउ
मइँ तोहका बताउब कि कउने अधिकारे स मइँ इ
काम करत हउँ। ३० मोका बतावा : यूहन्ना जउन
बपतिस्मा देत रहा, का ओहका सोझे सरगे स या
मनई स मिला रहा ?"
३१ ईसू क सवाले प उ सब बिचारत बिचारत
आपुस मँ कहइ लागेन कि, "जदि हम पचे इ कहित
ह, 'ओका इ सरगे स मिला रहा,' तउ ईसू कही,
'फिन तू पचे ओह प बिसवास काहे नाहीं करत्या ?'
३२ अउर जदि हम पचे इ कही, 'उ मनई स पाए
रहा' तउ सब मनई हम प रिसियाइ जइहीं।" (ई
नेतन लोग मनइयन स डेरात रहेन। सब मनइयन
क बिसवास रहा कि यूहन्ना नबी अहइ।)
३३ एह बरे यहूदी नेतन ईसू स कहेन, "हम पचे
जानित नाहीं।"
ऍह पइ ईसू ओनसे कहेस, "तउ फिन मइँ
तोहका नाहीं बतावत अही कि इ काज मइँ कउने
अधिकारे स करत हउँ।"

परमेस्सर आपन पूत क पठएस

(मत्ती २१ :३३-४६ ; लूका २० :९-१९)

१२ १ ईसू दिस्टान्त कथा खोलि के समझावत
ओनसे कहइ लाग: "एक मनई अंगूरे
के बाग लगाएस अउर ओकरे चारिहुँ कइँती
चहरदेवार बनाएस। फिन उ अंगूरे क रस धरइ बरे
एक गड़हा खोदेस अउर ओकरे बाद एक ठु बुर्ज
खड़ा करेस। फिन उ कछू किसानन क लगाने प
दिहस अउ जात्रा प चला गवा।
२ "फिन अंगूर पकइ क रितु मँ उ एक ठु नउकर
पठएस जेसे उ किसानन स जउन अंगूर पक गवा
अहइँ, ओहमाँ स ओकर हींसा लइ आवइ। ३ उ
मुला उ सबइ नउकर क पकरिके पीटेन, ओका
खालि हाथे भगाइ दिहन। ४ उ एक ठु अउ नउकर
हुवाँ पठएस। उ किसानन ओकर मुड़वा फोड़त
ओका बेज्जत करेन। ५ उ फिन एक ठु अउ नउकर
पठएस, जेकर उ सब कतल कइ दिहन। उ इ तरह
कई ठु नउकरन क पठएस, जेनका उ सब मारेन
पीटेन अउर केतनन क मारि डारेन।
६ "अब ओकरे लगे पठवइ क आपन पियारा
बेटवा ही बचा रहि गवा। आखिर उ ओनके लगे इ
कहत पठएस, 'उ पचे मोरे बेटवा क मान सम्मान
जरूर कहि रहीं।'
७ "उ किसानन एक दुसरे स कहेन, 'इ तउ ओकर
वारिस अहइ। आवा, ऍका मारि डाइ। अइसे हम
पचे एकर वारिस होई जाब।' ८ उ सबइ ओका
पकरिके मारि डाएन अउर ओका अंगूर क बागे स
बाहेर फेंके दिहन।
९ "एह पइ अंगूर क बगिया क मालिक का करी ?
उ आइके किसानन क मारि डाई अउर बगिया क
दुसरे क दइ देई। १० का तू पचे पवित्तर सास्तर का
बचन नहीं बांच्या :
'उ पाथर जेका राजगीर बेकाम क समझेन
उहइ कोने क पाथर बनि गवा।

---

†११ :२६ कछु यूनानी प्रतियन मँ पद २६ जोड़ा गवा अहइ : "मुला जदि तू पचे छमा नाहीं करत्या तउ तोहार सरगे मँ परमपिता तोहरे पापन्क छमा न करी।"

११ इ पर्भू करेस,
जउन हमरे निगाहे मँ अजूबा बाटइ।'" ‡

१२ उ सबइ जान गएन कि जउन दिस्टान्त उ दिहेस ह उ ओकरे खिलाफ रहा। तउ उ पचे ओका गिरफतार करइके कउनो कुचाल खोजइ लागेन, मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन। एह बरे ओका तजि के गएन।

यहूदी नेतन क ईसू क छलइ क चाल

(मत्ती २२ :१५-२२ ; लूका २० :२०-२६)

१३ तब यहूदी नेतन ईसू क बातन मँ फँसावइ क बरे कछू फरीसियन अउर हेरोदियन क ओकरे नगिचे पठएन। १४ जउन ओकरे निअरे फरीसियन अउर हेरोदियन रहेन उ सबइ कहेन, "गुरु, हम पचे जानित ह कि तू बहोतइ ईमानदार मनई अहा अउर तू इ बात क रचिकउ फिकिर करत्या नाहीं कि दूसर मनई का सोचत हीं। तू मनई क हैसियत या ओकर रुतबा क ध्यान न देत परमेस्सर क राहे क सीख देत ह। तउ बतावा न कि कैसर क कर देब ठीक बाटइ की नाहीं। हम ओका कर अदा कइ देइ कि नाहीं ?"

१५ ईसू ओनकइ चाल चपेट जानि गवा। उ ओनसे कहेस, "तू मोका काहे परखत ह ? एक ठु दीनार लिआवा काहेकि ओका मइँ लखि सकउँ।" १६ तउ उ पचे एक ठु दीनार लइ आएन। फिन ईसू ओनसे पूछेस, "यह पइ केकर चेहरा अउर नाउँ लिखा बाटइ ?" उ पचे कहेन, "कैसर क।"

१७ तब ईसू ओनका समझाएस, "जउन कैसर क अहइ, ओका कैसर क द्या अउर जउन परमेस्सर क अहइ ओका परमेस्सर क द्या।" तउ उ पचे अचरजि मँ पड़ि गएन।

सदूकियन क चाल

(मत्ती २२ :२३-३३ ; लूका २० :२७-४०)

१८ फिन कछू सदूकियन पुनरुत्थान क नाहीं मनतेन, ओकरे नगिचे आएन अउर उ पचे ओसे पूछेन, १९ "गुरु, मूसा हमरे बरे लिखेस कि जदि कउनो क भाई मरि जाए अउर ओकरे पत्नी क कउनो लरिका न होइ तउ ओकरे भाई क चाही कि उ ओसे बियाह करइ अउर फिन आपन भाई क बंस क चलावई। २० एक दाई क बात अहइ कि सात ठु भाई रहेन। सबते बड़का भाई बियाह करेस अउर निपूत होइके मरि गवा। २१ फिन दूसर भाई उ स्त्री स बियाह करेस, पर उहउ निपूत होइके मरि गवा। तिसरका भाई भी वइसे करेस। २२ सातहु भाइयन मँ कउनो क कउनो संतान नाहीं भइ। आखिर उ स्त्री भी मरि गइ। २३ मउत क बाद जबहिं उ पचे जी उठिहीं, तउ बतावा उ स्त्री केकर पत्नी भई ? काहेकि उ सातहु ओका आपन पत्नी क तरह राखे रहेन।"

२४ ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे न तउ पवित्तर सास्तरन क जानत ह अउर न परमेस्सर क ताकत क। का इ कारण नाहीं जेसे तू पचे भटक गवा बाटच्या ? २५ काहेकि उ सबइ जबहिं मरे भए स जी उठिहीं, तउ ओनकइ बियाह न होई मुला सबइ सरग मँ दूतन क तरह रइहीं। २६ मरे भए स जी उठइ क बातन मँ का तू पचे नाहीं बाँच्या जउन मूसा क किताबिया मँ झाड़ी क बाबत ¶लिखा बाटइ ? हुवाँ परमेस्सर मूसा स कहेस, 'मइँ इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।' §२७ उ मरे भए क परमेस्सर नाहीं मुला जउन जिअत अहइँ ओनकइ परमेस्सर अहइ। तू पचे बहोतइ भारी भूलि मँ पड़ि गवा ह।"

सबते बड़ा हुकुम

(मत्ती २२ :३४-४० ; लूका १० :२५-२८)

२८ फिन एक ठु धरम सास्तरि आइ अउर ईसू ओनका चरिचा करत सुनेस। जबहिं उ सास्तरि देखेस कि ईसू ओनका कउने बढ़िया तरकीबे स जबाव दिहेस, उ ईसू स पूछेस, "कउन हुकुम सबते जिआदा बड़कई क अहइ ?"

२९ ईसू जबाव दिहेस, "सबते बड़कई क हुकुम इ अहइ : 'ओ इस्राएली सुना, सिरिफ हमार पर्भू परमेस्सर एक ठु पर्भू अहइ। ३० तू आपन पूर मन स समुचइ जिन्नगी स, समुचइ बुद्धि स अउर आपन पूरी ताकत स तोहका आपन परमेस्सर पर्भू स पिरेम करइ चाही।' **३१ दूसर हुकुम इ अहइ 'आपन पड़ोसी स वइसइ पिरेम करा जइसे तू

---

‡१२ :११ उद्धृत भजन संहिता ११८ :२२-२३
¶१२ :२६ निर्ग. ३ :१-१२
§१२ :२६ निर्ग. ३ :६
**१२ :३० व्यवस्था. ६ :४-५

आपन स करत ह।' ††इ सब हुकुमन ते बड़ा अउर कउनो हुकुम नाहीं।"

३२एह पइ धरम सास्तरी ओसे कहेस, "गुरु तू नीक कह्या। तोहार इ कहब नीक अहइ कि परमेस्सर एक अहइ, ओकरे बजाय अउर दूसर कउनो नाहीं। ३३आपन पूरा मन स, समुचइ समझि-बुझि स, पूरी ताकत स परमेस्सर स पिरेम करब अउर आपन भाई आपन पड़ोसी स पिरेम करब सबइ बलि समर्पित भेंट अउर भेंटेन जेकरे बारे मँ कहा अहइ, ओसे जिआदा बड़कइ अहइ।"

३४जबहिं ईसू लखेस कि उ मनई समझि के जबाव देत बाटइ तउ ईसू मनई स कहेस, "तू परमेस्सर क राज्य स दूर नाहीं बाटचा।" ओकरे बाद कउनो दूसर मनई ओसे कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाहीं किहेस।

मसीह दाऊद क बेटवा अहइ या पर्भू?

(मत्ती २२:४१-४६; लूका २०:४१-४४)

३५फिन ईसू मन्दिर मँ उपदेस देत भवा कहेस, "कइसे धरम सास्तिरियन कहत बाटेन कि मसीह दाऊद क पूत अहइ? ३६दाऊद खुद पवित्तर आतिमा स प्रेरित होइके कहेस:

'पर्भू परमेस्सर मोर पर्भू (मसीह) कहेस:
मोरे दाहिन कइँती बइठा,
जब तलक मइँ तोहरे दुस्मनन क तोरे गोड़वा तरे
न कइ देउँ।' ‡‡

३७दाऊद खुदइ ओका 'पर्भू' कहत बाटइ। फिन मसीह दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?" भारी भीड़ ओका खुस होत होत सुनत रही।

धरम सास्तरीयन स होसियार

(मत्ती २३:६-७; लूका ११:४३; २०:४५-४७)

३८उ आपन उपदेस मँ कहेस, "धरम सास्तरी लोगन्स होसियार रहा। उ पचे आपन लंबा लंबा लबादा पहिरि क एँहर ओहँर फिरब पंसद करत ही। ओनका हाटन मँ आपन्क पैलगी कराउब सोहात ह। ३९अउर आराधनालयन मँ बड़कवा क आसन पइ बइठब चाहत हीं, उ पचे भोजे मँ बड़कावा क आसन पावइ क इच्छा रखत हीं। ४०उ पचे विधवन क मिल्कियत हड़प लेत हीं। उ पचे देखावइ बरे लंबी लंबी पराथना बोलत हीं। इ पचन क करीं स करीं सजा मिली।"

सच्चा दान

(लूका २१:१-४)

४१ईसू दानपात्र क समन्वा बइठा देखत रहा कि मनई कउने तरह दानपात्र मँ पइसा नावत हीं। बहोतन धनी मनइयन बहोत धन नाइ दिहन। ४२फिन हुवाँ एक ठु गरीब विधवा आइ अउर उ ओहमाँ दुइ दमड़ी नाएस जउन उ एक पइसा क बराबर भी नाहीं रहा।

४३फिन उ आपन चेलन क नगिचे बोलाएस अउर कहेस, "मइँ तू पचन स सच सच कहत हउँ, धनी लोगन स इ दाने पात्रे मँ नावा एक ढेर क नावा दान स जिआदा बड़कवा दान इ गरीब अउर बेसुहागिन विधवा क अहइ। ४४काहेकि उ पचे जउन धन फालतू धरे रहेन उ सब एँहमा नाइ दिहन, मुला इ आपन गरीबी मँ स जउन एँकरे लगे रहा, उ सब नाइ दिहस। एँकरे लगे एँतना ही धन जुरा रहा जउन एँकरे जिन्नगी क सहारा रहा।"

बिनासे क भविस्सबाणी

(मत्ती २४:१-२५; लूका २१:५-२४)

१३ १जब उ मन्दिर स जात रहा, ओकर एक ठु चेला ओसे कहेस, "गुरु, लखा इ सबइ पाथर अउर इमारतन केतँना अजूबा अहइँ।"

२तउ ईसू ओनसे कहेस, "तू इन भारी इमारत क देखत बाटचा? हिआँ एक पाथर प दूसर पाथर टिकाइ कइ रखा बाटइ। एक एक ठु पाथर ढकेल दीन्ह जाई।"

३जबहिं उ मन्दिर क समन्वा जैतून क पर्वत प बइठा रहा तउ पतरस, याकूब, यूहन्ना अउर अन्दिरयास अकेल्ले मँ पूछेन, ४"हमका बतावा, इ सब कछू कब घटी? जब इ सब कछू पूरा होइ जाई तउ कउन निसान देखाँइ देइहीं?"

५एँह पइ ईसू कहइ लाग, "होसियार! कउनो तोहका न छलै। ६मोरे नाउँ स बहोत लोग अइहीं अउर इ दावा करिहीं, 'मइँ उहइ हउँ।' उ पचे बहोतन क छलिहीं। ७जब तू जुद्ध अउर जुद्धन क अफवाह क बारे मँ सुन्या तउ घबराया जिन अइसा तो होइ मुला अबहिं अंत नाहीं बाटइ। ८एक रास्ट्र दूसर रास्ट्र क खिलाफ अउर एक ठु राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा होइहीं। बहोतन स ठउरन प भूइँडोल अइहीं अउर अकाल पड़ी। ई उ पीरा क सुरुआत होइ।

---

††१२:३१ लैव्य. १९:१८
‡‡१२:३६ उद्धृत भजन संहिता ११०:१

९ “आपन बारे मँ होसियार रहा। उ पचे तोहका
अदालत मँ पेस करिहीं अउर फिन तोहका
आराधनालयन मँ पीटा जाई अउर मोरे कारण
तोहका सासक राजा लोगन क समन्वा खड़ा
होइ क होई जइसे ओनका प्रमाण मिलि जाइ।
१० लेकिन इ जरूरी अहइ कि पहिले स हि सबन्क
क सुसमाचार सुनाइ दीन्ह जाइ। ११ जब कबहुँ
तोहका पकरि के तोहरे प मुकदमा चलइहीं तउ
पहिले स इ फिकिर जिन कर्या कि तोहका का कहइ
क अहइ। उ समइ प जउन कछू तोहका बतावा
जाइ, उहइ बोल्या काहेकि इ सबइ तू पचे नाहीं
जउन तू बोलत ह, मुला बोलइवाला पवित्तर
आतिमा अहइ।
१२ “भाई, भाई क धोखा दइके पकड़ावावत
मरवाइ देइ। बाप, बेटवा क धोखा दइ के पकड़वाई
अउर बाल-बच्चे आपन महतारी अउर बाप के
खिलाफत मँ खड़ा होइके मरवइहीं। १३ मोरे कारण
सब जने तोसे घिना करिहीं मुला जउन अंत समइ
तलक धीरज धरी, ओकर उद्धार होई।
१४ “जब तू पचे ‘घृनित खउफनाक अउर बिनास
करइवाली चीजन्क,’ जहाँ उ सबन क न होइ चाही,
हुवाँ खड़ा देख्या।” (पढ़वइया खुद समझि लेई कि
एँकर का अरथ अहइ।) “तब जउन लोग यहूदिया
मँ होइहीं, ओनका पर्वत प पराय जाइ चाही।
१५ अउर जउन लोग आपन घरवा क छतवा प
होइहीं, उ पचे घरवा मँ घुसुरि क कछू भी लइ
आवइ क तरखाले न उतरइ। १६ अउर जउन बाहेर
मैदान मँ होई, उ पचे पाछे घूमि के आपन ओढ़ना
तलक न लेई।”
१७ उ स्त्रियन बरे जेकर पैर भारी होइ अउर
जेकर दूध पिअइया बचवन गोदी मँ होइहीं, उ
दिनन बहोतई खउफनाक होइहीं। १८ पराथना करा
कि इ सब कछू सर्दी क रितु मँ न होइ। १९ उ
दिनन अइसी बिपत आई जइसी आजु तक नाहीं इ
जबहिं ते परमेस्सर इ संसार क रचि दिहन ह, आजु
तक नाहीं आइ अउ कबहुँ अगवा न आई। २० अउर
जदि परमेस्सर उ दिनन क कमती कइ न दिहेस
होत तउ कउनो न बच पावत। मुला उ खात रूप
स चुना गवा मनइयन क कारण जेनका उ चुनेस,
उ उ समइ क कब कम दिहस ह।
२१ “उ दिनन मँ जदि कउनो तोसे कहइ कि,
‘देखा, इ रहा मसीह!’ या ‘उ अहइ मसीह।’ तू
ओकर बिसवास न कर्या। २२ काहेकि झूठे मसीहन
अउर झूठे नबियन देखॉइ देइहीं अउर उ सबइ
अइसा अद्भुत चीन्हन देखइहीं अउर अचरज
कारजन करिहीं कि जदि होइ जाए तउ उ पचे
चुना गएन मनइयन क भी अड़पेंचे मँ डाइ देइहीं।
२३ एह बरे तू सब होसियार रहा। मइँ समइ स
पहिले ही तो पचन्क सब कछू बताइ दीन्ह।
२४ “उ दिनन मँ दारून कस्ट क समइ क पाछे :
‘सूरज करिया पड़ि जाई,
चंदा स ओकर चाँदनी न निकसी।
२५ अकास स तारे टूटइ लगिहीं,
अउर अकासे मँ बड़वार सक्ती झकाझोरि दीन्ह
जइहीं।’ ¶¶
२६ “तब्बइ मनइयन मनई क पूत क महासक्ती
अउर महिमा क संग बदरवन मँ निहरिही। २७ फिन
उ आपन दूतन क पठइके चारहु दिसा मँ धरती क
छोरे स दूसर छोरे तक सब कइँती स आपन चुना
भवा मनइयन क जमा करी।
२८ “अंजीरे क बिरवा स उपदेस ल्या कि जबहिं
ओकर टहनियन नरम अउर हरिअर होइ जात हीं
तउ ओह पइ कोंपर फूटइ लागत हीं। तउ तू पचे
जान लेत ह्या कि गर्मी क रितु आवइ क अहइ।
२९ अइसे ही जबहिं तू पचे इ सब कछू होत लख्या
तउ समझ लिहा कि उ समइ नगिचे आइ ग अहइ,
मुला ठीक स दरवज्जे प। ३० मइँ तोसे सच-सच
कहत हउँ कि इ सब घटना इत मनइयन क जिअते
जी होइहीं. ३१ धरती अउर अकास बरबाद होइ
जइहीं लेकिन मोर बचन कबहुँ न टारे टरी।
३२ “उ दिन या उ घड़ी क बारे मँ कउनो कछू
गियान नाहीं, न सरग क दूतन अउर न अबहिं
मनई क पूत क, सिरिफ परमपिता जानत बाटइ।
३३ होसियार! जागत रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या
कि उ समइया कब आइ जाई।
३४ “ई अइसे अहई कि जइसे कउनो मनई
कउनो जात्रा प जात जात आपन नउकरन प
आपन घरवा छोड़ि जाए अउर हर मनई क ओकर
आपन आपन काम बाँटि दे अउर चौकीदार क
हुकुम दइ जाए कि तू जागत रहा। ३५ एह बरे तू
जागत रहा काहेकि घरे क मालिक न जानी कब
आइ जाए। चाहे सांझ होई, की आधी रात की
मुर्गन क बाँग क समइ की फिन दिन निकरि आवइ।
३६ जदि उ अचानक आइ जा तउ अइसा करा कि
जेसे उ तोहका सोवत न पावइ। ३७ जउन मइँ तोसे
कहत हउँ, उहइ सबते कहत हउँ, ‘जानत रहा!’”

¶¶१३ :२५ उद्धृत यसायाह १३ :१० ; ३४ :४

ईसू क हत्या क सडचंत्र

(मत्ती २६ :१-५ ; लूका २२ :१-२ ;
यूहन्ना ११ :४५-५३)

१४ १फसह क त्यौहार §§अउर वे खमीरे क
रोटी क त्यौहार *स दुइ दिन पहिले
की बात अहइ कि मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन कउनो अइसा कुचाल चलत रहेन कि
जउने चलाकी स ओका गिरफतार कइ लेइँ अउर
जान स मारि डावइँ। २उ सबइ इ कहत रहेन,
"मुला हम पचेन क त्यौहार क दिन अइसा नाहीं
करइ चाही, नाहीं तउ मनइयन दंगा कइ लेइहीं।"

ईसू प इतर क उड़ेलब

(मत्ती २६ :६-१३ ; यूहन्ना १२ :१-८)

३जब ईसू बैतनिय्याह मँ समौन कोढ़ी क घरे
खाना खाइके बइठा, तबहिं एक ठु स्त्री उज्जर
अउर चीकन स्फटिक मनि क बासन मँ सुद्ध बाल
छड़े क इतर लइ आइ। उ स्त्री बासने को तोड़स
अउर ओसे निकसत इतरे क ईसू क मुँड़वा प
उड़ेरेस।

४ऍसे हुवाँ कछू चेलन बिगड़ के आपुस मँ कहइ
लागेन, "इतरे क अइसी बर्बाद काहे कीन्ह गइ
अहइ ?५इ इतर तउ तीन सउ दीनारे स जिआदा मँ
बेंच जाइ सकत ह अउर फिन उ धने क कंगालन मँ
बाँटि जाइ सकत रहा।" उ पचे उ स्त्री क निन्दा
करेन।

६तब ईसू कहेस, "काहे क ओका तंग करत ह ?
ओका छोड़ा। उ मोर बरे एक बढ़िया काज करेस
ह। ७काहेकि कंगालन तू हमेसा तोहरे लगे रइहीं
अउर तउ तू जब चाहा ओनकइ मदद कइ सकत ह,
मुला मइँ तोहरे साथे हमेसा न रहिउँ। ८इ स्त्री
उहइ किहस जउन उ कइ सकत रही। उ समइ
स पहिले मोरे दफनावइ बरे, मोरे बदन पइ इतर
छिरकि के ओका तइयार किहेस ह। ९मइँ तोसे
सच-सच कहत हउँ समूचे संसारे मँ जहाँ कहूँ भी इ
सुसमाचार क परचार कीन्ह जाई, हुवँई ऍकरे यादे
मँ जउन कछू इ स्त्री करेस ह, ओकर चर्चा होई।"

यहूदा क सौदा

(मत्ती २६ :१४-१६ ; लूका २२ :३-६)

१०तब यहूदा इस्करियोती, जउन ऍकरे बारहु
प्रेरितन मँ एक ठु रहा, मुख्ययाजकन क नगिचे
ईसू क धोखा दइ के पकड़वावइ बरे गवा। ११उ पचे
ओकर बतियन सुनिके बहोत खुस भएन अउर उ
पचे ओका धन देइ क वादा करेन। एह बरे फिन
यहूदा ईसू क
धोखा दइ क पकड़वाव क तलास मँ रहइ लाग।

फसह भोज

(मत्ती २६ :१७-२५ ; लूका २२ :७-१४,
२१-२३ ; यहून्ना १३ :२१-३०)

१२बे खमीरे क रोटी क त्यौहार स एक दिन
पहिले, जब फसह मेमना क बलिदान दीन्ह जात
रही। ओकरे चेलन ओसे पूछेन, "तू का चाहत
बाटचा कि हम पचे कहाँ जाइके तोहरे खइया बरे
फसह क भोज तैयारी करी ?"

१३तब उ आपन दुइ ठो चेलन क इ कहिके
पठएस, "सहर मँ जा, जहाँ तोहका एक ठु मनई
पानी क गगरी धरे भेंटइ, तउ ओकरे पाछे होइ
जा। १४फिन जहाँ कहूँ भी उ भीतर जाइ, उ घरे
क मालिक स कह्या, 'गुरु पूछेस ह, भोजन क उ
बैठका कहाँ बाटइ, जहाँ मइँ आपन चेलन क संग
फसह क भोज खाइ सकउँ।' १५फिन उ तोहका
ऊपर एक बड़का सजा भवा बैठका देखाई, हुवँइ
हमरे बरे तैयारी करा।"

१६तब ओकर चेलन हुवाँ स सहर क चेलन जहाँ
उ पचे हर बात वइसी निहारेन जइसी ईसू ओनका
बताएस। तबहिं उ पचे फसह क भोज तैयार करेन।

१७दिन ओनवत क आपन बारहु प्रेरितन क संग
ईसू हुवाँ पहुँच गवा। १८जब उ पचे बइठके खइया
के खात रहेन, तबहिं ईसू कहेस, "मइँ सच कहत
हउँ, तोहरे मँ स एक ठु जउन मोरे संग खइया क
खात अहइ, उहइ मोका धोका दइके पकड़वाई।"

१९ऍसे उ पचे दुखी होइ के एक दुसरे स कहइ
लागेन, "सचमुच उ मइँ नाहीं हउँ।"

२०तब ईसू ओनसे कहेस, "उ बारहु मँ स उहइ
एक बाटइ, जउन मोरे संग एकहि थारी मँ खात
अहइ। २१मनई क पूत क तउ जाइ क अहइ,
जइसा कि ओकरे बारे मँ लिखा बाटइ। मुला उ

---

§§१४ :१ फसह क त्यौहार फसह क त्यौहार मनवाइ क पुरानी रीति क एक हींसा जेहमाँ भेड़ मेमनन क
बलि परमेस्सर बरे चढ़ावत रहेन।

*१४ :१ बे खमीर ... त्यौहार इ यहूदियन क बड़कवा त्यौहार बाटइ। इ दिन इ रोटी क साथ खास खइया
क खात हीं।

मनई क धिक्कार अहइ, जउन स मनई क पूत पकड़वावइ जाइ केतना नीक इ होत कि उ मनई पइदा न भवा होत।"

पर्भू क भोज

(मत्ती २६ :२६-३० ; लूका २२ :१५-२० ;
१ कुरिन्थियन ११ :२३-२५)

२२ जब उ पचे खइया क खात रहेन, ईसू रोटी लिहस, धन्यबाद दिहस, रोटी क तोड़ेस अउर ओका उ पचन्क देत देत कहेस, "ल्या, इ मोर बदन अहइ।"

२३ फिन उ कटोरा क उठाएस, धन्यबाद दिहस अउर ओनका दिहस अउर उ सबन ओहमाँ स पियेन। २४ तबहिं ईसू बोल पड़ा, "इ मोर लहू (मउत) बाटइ जउन एक नवा करार क सुरुआत अहइ यह बहुतन क बरे बहावा जात अहइ। २५ मइँ तू पचन स सच सच कहत हउँ कि मइँ उ दिना तक दाखरस पिअब जब तलक परमेस्सर क राज्य मँ नवा दाखरस न पिअउँ।"

२६ तबहिं उ सब एक स्तुति गाना गाइके जैतून क पर्वत प गएन।

ईसू क सब चेलन ओका तजि देइहीं

(मत्ती २६ :३१-३५ ; लूका
२२ :३१-३४ ; यूहन्ना १३ :३६-३८)

२७ ईसू ओनसे कहेस, "तोहार पचे क बिसवास खोइ जाइ। काहेकि लिखा बाटई :
'मई गड़रियवा क मारब
अउ भेड़न छिटकाइ जइहीं।' †
२८ मुला फिन स जी उठे क पाछे मइँ तोसे पहिले ही गलील चला जाब।"

२९ जब पतरस बोलि उठा, "चाहे सब मिला आपन बिसवास खोइ दें, मुला मइँ न खोउब।"

३० एह पइ ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोसे सच कहत हउँ। आजु, इहइ राते मँ मुर्गा क दुइ बार बाँग देइ स पहिले तू तीन दाई मोका नकार चुका होब्या।"

३१ एह पइ पतरस अउर जोर देत भवा कहेस, "जदि मोका तोर संग मरइ पड़इ तबहुँ मइँ तोहका कबहुँ न नकारब!" तबहिं अउ बाकी चेलन भी अइसा ही कहेन।

ईसू क एकांत मँ पराथना

(मत्ती २६ :३६-४६ ; लूका २२ :३९-४६)

३२ फिन उ पचे एक अइसे ठउरे प आएन जेका गतसमनी कहा जात हरा। हुवाँ ईसू आपन चेलन स कहेस, "जब तलक मइँ पराथना करत हउँ, तू पचे हियँइ बइठा।" ३३ अउर पतरस, याकूब अउर यूहन्ना क उ आपन संग लइ गवा। उ बहोतइ दु:खी अउर बियाकुल होत रहा। ३४ उ ओनसे कहेस, "मोर मन दु:खी बाटइ, जेसे मोर प्रान निकरि जइहीं। तू हियँई ठहरा अउर होसिआर रहा।"

३५ फिन रचिके अगवा बढ़ि के उ धरती प निहुरि के पराथना करइ लाग कि जदि होइ सकइ तउ घड़ी मोसे टरि जाइ। ३६ फिन उ कहेस, "हे अब्बा परमपिता! तोहरे बरे सब कछू संभव अहइ। इ कटोरा क मोसे दूर करा। फिन जउन कछू मइँ चाहत हउँ, उ नाहीं मुला जउन तू चाहत ह, उहइ करा।"

३७ फिन उ लौटा तउ आपन चेलन क सोवत भवा निहारि के पतरस स कहेस, "समौन क तू सोवत अहा? का तू एक घड़ी भी जाग नाहीं सक्या? ३८ जागत रहा अउर पराथना करा जेसे तू कउनो परिच्छा मँ न फँसा। आतिमा तउ चाहत ह मुला सरीर निर्बल अहइ।"

३९ उ फिन चला गवा अउर वइसे ही बचन बोलत बोलत उ पराथना किहेस। ४० जब उ दुबारा लौटा तउ उ फिन ओका सोवत पाएस। ओकरी आँखिन मँ नींद चाँपि रही। ओका कछू सूझत नाहीं रहा कि उ का जवाब देइ।

४१ उ तिसरी दाई फिन लौटा अउर ओसे बोला, "का तू अबहुँ अरामे स सोवत अहा? अच्छा, तउ सोवत रहा। उ घड़ी आइ गइ अहइ जब मनई क पूत धोखा स पकड़वाइ जाइ के पापी मनइयन क हथवा मँ दइ दीन्ह जात अहइ। ४२ खड़ा होइ जा! आवा चली। देखा, इ आवत अहइ, मोका धोखा दइ के पकड़वइया मनई।"

ईसू क गिरपतार कीन्ह जाब

(मत्ती २६ :४७-५६ ; लूका
२२ :४७-५३ ; यूहन्ना १८ :३-१२)

४३ ईसू बोलत रहा कि ओकरे बारहु प्रेरितन मँ स एक यहूदा हुवाँ दिखाइ दिहस। ओकरे लगे लठियन अउर तरवारन क लिहे भीड़ रही, जेका

---

†१४ :२७ उद्धृत जकर्याह १३ :७

मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन पठएन रहेन।

४४ धोखा दइ के पकड़वइया ओनका ई इसारा बताइ के राखे रहा, "जेका मइँ चूम लेउँ, उहइ उ अहइ। ओका हिरासत मँ लइ ल्या अउर पकड़ि के सुरच्छित स लइ जा।" ४५ तउ जइसे ही यहूदा हुआँ आवा, उ ईसू क नगिचे जाइ के कहेस, "गुरु!" अउर ओका चूमि लिहेस। ४६ फिन तुरंतहि उ पचे ओकर हाथ पकड़िके हिरासते मँ लइ लिहन। ४७ ओकर चेला जउन नगिचे खड़ा रहा, आपन तरवार खींचेस अउर महायाजक क एक ठु नउकरे प मारि दिहस, जेसे ओकर कान कट गवा।

४८ फिन ईसू ओनसे कहेस, "का मइँ कउनो अपराधी हउँ जेका पकड़इ तू सबइ लाठी अउर तरवार लइके आइ अहा? ४९ रोज मन्दिर मँ उपदेस देत मइँ तोहरे साथे रहा मुला तू पचे मोका नाहीं पकड़या। अब इ भवा जेसे सास्तरन क बचन पूरा होइ जाइ।" ५० फिन ओकर सब चेलन ओका अकेला तजि के पराइ गएन।

५१ आपन उघार देहे प केवल चदरिया लपेटि के एक ठु नउजवान पाछे पाछे आवत रहा। उ पचे ओका पकड़इ चाहेन। ५२ मुला उ आपन चदरिया छोड़ि क नंगा पराइ गवा।

ईसू क पेसी

(मत्ती २६:५७-६८; लूका २२:५४-५५, ६३-७१; यूहन्ना १८:१३-१४, १९-२४)

५३ उ सबइ ईसू क महायाजक क नगिचे लइ गएन। फिन सबइ मुख्ययाजकन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर धरम सास्तिरियन जमा भएन। ५४ पतरस ओसे दूरइ दूर रहत भवा ओकरे पाछे पाछे महायाजक क अंगना मँ भीतर तलक चला गवा अउर हुवाँ क पहरेदारन क साथ बइठके आगी तापइ लाग।

५५ समूची यहूदी महासभा अउर मुख्ययाजकन ईसू क मउत की सजा देइ बरे ओकरे खिलाफत मँ प्रमान खोजइ क जतन करत रहेन मुला ढूँढ नाहीं पाएन। ५६ बहोतन ओकरे खिलाफत मँ झूठी साच्छी दिहन, मुला उ सबइ साच्छी आपुस मँ एक दूसर क खिलाफ रहीं।

५७ फिन कछु लोग खड़े भएन अउर ओकरे खिलाफ मँ झूठी साच्छी देत भए कहइ लागेन, ५८ "हम पचे एँका इ कहत सुनेन ह, 'मनइयन क हथवा स बना भवा इ मन्दिर क मइँ ढहाइ देइहउँ अउर फिन तीन दिना क भीतर दूसर बनाइ देइहउँ, जउन हाथन स बना न होइ।'" ५९ लेकिन इन सबन मँ ओ पचेन क साच्छियन एक नाई नाहीं रही।

६० तब ओनके समन्वा महायाजक ठाड़ होइके ईसू स पूछेस, "इ सब लोग, तोहरे खिलाफत मँ इ कउन साच्छियन देत बाटेन? का जवाबे मँ तोहका कछू नाहीं कहइके?" ६१ यह पइ ईसू चुप्पी साधेस। उ कउनो जबाव नाहीं दिहस।

महायाजक फिन ओसे पूछेस, "का तू धन्य (परमेस्सर) का पूत मसीह अहा?"

६२ ईसू बोला, "हाँ, मइँ परमेस्सर क पूत हउँ। अउर तू सब मनई क पूत क उ सर्वसक्तिमान क दाईं ठाउँ बइठा अउर सरगे क बदरवन मँ आवत देखब्या।"

६३ महायाजक आपन ओढ़ना क फाड़त भवा कहेस, "हमका अउ साच्छियन क अब का जरूरत अहइ! ६४ तू इ सब बेज्जत बातन क कहत सुन्या, अब तोहार का विचार अहइ?"

उ सबइ ओका अपराधी ठहराइके कहेन, "एँका मउत क सजा मिलइ चाही।" ६५ तब कछू मिला ओह पइ थूकत मुँहना क ढकत, घूँसा मारत अउर कछू ओकर हँसी दिल्लगी करत कहइ लागेन, "भविस्सबाणी करा!" अउ फिर पहरेदरवन ओका पीटेन।

पतरस डेरान कि उ ईसू क जानत ह

(मत्ती २६:६९-७५; लूका २२:५६-६२; यूहन्ना १८:१५-१८, २५-२७)

६६ पतरस अबहीं नीचे अँगने मँ बइठा रहा कि महायाजक क एक ठु नउकरानी आइ। ६७ जबहिं उ पतरस क आगी तापत देखेस तउ बड़े धियान स बोली, "तुहउँ तउ ईसू नासरी क संग रह्या।"

६८ मुला पतरस मुकरि गवा अउर कहइ लाग, "मइँ नाहीं जानित या मोरी समझ मँ नहीं आवत अहइ कि तू का कहति अहा।" इ कहत उ ड्योढ़ी तक चला गवा। तबहिं मुर्गा बाँग दिहस। ‡

६९ उ नउकरानी जब ओका दोबाँरा देखेस तउ हुवाँ खड़े मनइयन स फिन कहइ लाग, "इ मनई भी ओनमाँ स एक अहइ।" ७० पतरस फिन मुकर गवा, अउ फिन थोड़ी देर मँ उहाँ खडेन्ह लोगन्ह पतरस स कहेन, "निस्चय ही तू ओनमे स एक अहा, काहेकि तोहू गलील का अहा।"

---

‡१४:६८ कछू यूनानी प्रतियन मँ यह भाग जोड़ी गइ अहइ: "तबहिं मुर्गा बाँग दिहस।"

७१ तब पतरस आपन क धिक्कारइ अउर सपथ
खाइ लाग। "जेकरे बारे मँ तू बात करत अहा, उ
मनई क मइँ नाहीं जानित!"
७२ फउरन मुर्गा दूसर बाँग दिहस। पतरस क
उहइ समइया उ सब्दन याद होइ आएन जउन
ओहमाँ स ईसू कहे रहा, "एसे पहिले कि मुर्गा दुइ
दाई बाँग देइ, तू मोका तीन दाई नकरब्या।" तब
पतरस जइसे टूटि गवा होइ। वह फूट फूट कइ
रोवइ लाग।

ईसू क पिलातूस क समन्वा पेसी

(मत्ती २७:१-२, ११-१४ ; लूका
२३:१-५ ; यूहन्ना १८:२८-३८)

१५ १ जइसे ही भिंसार भवा, मुख्ययाजकन,
धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन
अउर समूची यहूदी महासभा एक ठु खाका
बनाएन। उ पचे ईसू क बाँधिके लइ गएन अउर
ओका पिलातुस क सौंप दिहेन।
२ पिलातुस ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क
राजा अहा?"
ईसू जबाव दिहेस, "अइसा ही अहइ। तू खुदइ
कहत अहा।"
३ फिन मुख्ययाजकन ओह पइ बहोत स दोख
मढ़ेस। ४ पिलातुस ओसे फिन पूछेस, "का तोहका
जबाव नाहीं देइ क अहइ? देखा, उ पचे केतॅनी
बातन क दोख तोह पइ लगावत अहइँ।"
५ मुला ईसू अबहुँ कउनो जबाव नाहीं दिहस।
एह पइ पिलातुस क बहोतइ अचरज भवा।

पिलातुस ईसू क छोड़ देइ मँ सफल नाहीं भवा

(मत्ती २७:१५-३१ ; लूका
२३:१३-२५ ; यूहन्ना १८:३९-१९:१६)

६ फसह क त्यौहार क मउके प पिलातुस कउनो
एक बंदी क जेका मनइयन चाहत रहेन, ओनका
छोड़ देत रहा। ७ बरअब्बा नाउँ क एक बन्दी उ
विद्रोह करवइयन क संग जेले मँ रहा जउन दंगा
मँ कतल करेन।
८ मनइयन आएन अउर पिलातुस स कहइ
लागेन कि उ जइसा हमेसा स करत आइ ह,
वइसा ही करा। ९ पिलातुस ओनसे पूछेस, "का तू
पचे चाहत बाटचा कि मइँ तोहरे बरे यहूदियन क
राजा क अजाद कइ देउँ?" १० पिलातुस इ एह बरे
कहेस कि उ जानत ह कि मुख्ययाजकन जलन क
कारण ओका पकड़वाएन ह। ११ मुला मुख्ययाजकन
भीड़ क हुसकाएन कि उ ओकरे बजाय ओनके बरे
बरअब्बा क छोड़ि देइ।
१२ मुला पिलातुस ओनसे फिन पूछेस, "जेका तू
यहूदियन क राजा कहत बाटचा ओकर मइँ का
करउँ बतावा तू का चाहत बाटचा?"
१३ जबावे मँ उ पचे चिल्लानन, "ओका क्रूस प
चढ़ावा!"
१४ जब पिलातुस ओसे पूछेस, "काहे, उ कउन
अइसा अपराध किहेस ह?"
मुला उ पचे अउर जोर स चिचिआइके कहेन,
"ओका क्रूस प चढ़ावा।"
१५ पिलातुस भीड़ क खुस करइ चाहत रहा, एह
बरे उ ओनका बरे बरअब्बा क छोड़ेस अउर ईसू क
कोड़वा स पिटवाइ क क्रूस पर चढ़ावइ के सौंप
दिहस।
१६ फिन सिपाही ओका रोम क राजपाल क
निवास मँ लइ गएन। उ पचे सिपाही क पूरी पलटन
बोलाँइ लिहन। १७ फिन उ सबइ ईसू क बैगनी रंगे
क ओढ़ना पहिराएन अरु काँटन क ताज बनाइ के
ओकरे मुँड़वा प धरेन। १८ फिन ओका सलामी देइ
लागेन, "यहूदियन क राजा क सुआगत अहइ।"
१९ उ सबइ ओकरे मुँड़वा प नरकटे स मारत जात
रहेन। उ पचे ओह पइ थूकत जात रहेन अउर
घुटनवन प निहुरिके ओकरे अगवा दण्डवत करत
रहेन। २० इ तरह जब उ सबइ ओकर मसखरी उड़ाइ
चुकेन तउ उ सबइ बैगनी ओढ़ना उतारेन अउर
ओका आपन ओढ़ना पहिराइ दिहन अउर फिन
ओका क्रूस प चढ़ावइ बरे, बाहेर लइ आएन।

ईसू क क्रूस पर चढ़ाउब जाब

(मत्ती २७:३२-४४ ; लूका
२३:२६-३९ ; यूहन्ना १९:१७-१९)

२१ उ पचेन क कुरेनी क रहवइया समौन नाउँ क
एक मनई, राहे मँ भेंटेस। उ गाउँ स आवत रहा।
उ सिकन्दर अउर रूफुस क बाप रहा। सिपहियन
ओह पइ दबाव डारेन कि ईसू क क्रूस उठाइ क
चलइँ। २२ फिन उ पचे ईसू क गुलगुता नाउँ क
ठाउँ प लइ गएन (जेकर अरथ अहइ "खोपड़ी
ठाउँ।") २३ फिन उ पचे ओका लोहबान नाइ के
दाखरस पिअइ क दिहेन। मुला उ ओका नाहीं
लिहेस। २४ फिन ओका क्रूसे पइ चढ़ाइ दीन्ह
गवा। ओकर ओढ़ना उ पचे बाँटि लिहेन अउर इ
देखइ क बरे कि कउनो का लेइ, उ पचे पासा फेंकेन।
२५ दिना क नउ बजेन, जब उ पचे ओका क्रूस
प चढ़ाएन। २६ ओकरे खिलाफ एक लिखा भवा
मुकदमा क पत्तर ओह पइ लगावा रहा, "यहूदियन
क राजा।" २७ ओकरे संग दुइ ठु डाकू भी क्रूस प

चढ़ाइ गएन। एक ठु ओकरे दाईं अउर दूसर वाईं कइँती। २८ ¶

२९ ओकरे लगे स निकरि के जात मनइयन ओका निन्दा करत रहेन। आपन मूँड़ी झमकाइ झमकाइ के उ पचे कहत रहेन, "अरे वाह। तु उहइ अहइ जउन मंदिर क ढहाइ के तीन दिना मँ फिन बनावइवाला रहा। ३० अब क्रूस स तरखाले आइके अउर खुदइ आपन क तउ बचाव।"

३१ इ तरह मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन भी ईसू क मसखरी उड़ाएन। उ पचे आपुस मँ कहइ लागेन, "इ अउरन क बचावत अहइ, मुला खुद आपन क नाहीं बचाइ सकत। ३२ अब इ मसीह अउर इस्राएल क राजा क क्रूस प स तरखाले उतरइ दे जेसे हम पचे इ देखि के ओहमाँ बिसवास करि सकी।" अउर उ दुइनउँ भी, जउन ओकरे साथ क्रसे प चढ़ाइ गवा रहेन, ओकर बेज्जती करेन।

ईसू क मउत

(मत्ती २७ :४५-५६ ; लूका
२३ :४४-४९ ; यूहन्ना १९ :२८-३०)

३३ फिन समूची धरती पइ दुपहरे तक अँधियार छावा रहा। इ अँधियारा दोपहर तीन बजे तक रहा। ३४ दिना क तीन बजे ईसू ऊँची आवाज मँ चिल्लाइके कहेस, "इलोई, इलोई, लमा सबकतनी!" अरथ अहइ "मोरे परमेस्सर, मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे बिसारि दिहा?" §

३५ जउन नगिचे ठाड़ रहेन, ओनमाँ स कछू जब इ सुनेन तउ उ पचे बोलेन, "सुना इ एलिय्याह क पुकारत अहइ।"

३६ तब एक मनई दौड़ि के सिरका मँ बोरि के एक ठु मोटा कपरा क भीजि के डंडा प धइ के ईसू क पिअइ बरे दिहस अउ कहेस, "ठहरि जा, हम पचे निहारत अही कि एँका नीचे उतारइ क बरे एलिय्याह आवत ह कि नाहीं।"

३७ फिन ईसू ऊँची आवाज मँ चिल्लाइके प्राण तजि दिहस।

३८ तबहिं मंदिर क पट ऊपरि स तरखाले तक फाटिके दुइ टुकरन मँ बँटि गवा। ३९ सेना क एक ठु अधिकारी जउन ईसू क समन्वा ठाड़ रहा, ओका प्रान तजत देखेस। उ कहेस, "इ मनई असल मँ परमेस्सर क पूत रहा।"

४० कछू स्त्रियन हुवाँ दूर ते ठाड़े भइ निहारत रहीं, जेहमाँ मरियम मगदलीनी, छोटका याकूब अउर योसेस क महतारी मरियम अउर सलोमि रही। ४१ जब ईसू गलील मँ रहा तउ इ स्त्रियन ओकर चेलन रहीं जउन ओकर सेवा करत रही। हुवाँ अउर भी बहोत स स्त्रियन रहीं जउन ओकरे साथ यरूसलेम तक आइ रहीं।

ईसू क दफनाइ जाब

(मत्ती २७ :५७-६१ ; लूका
२३ :५०-५६ ; यूहन्ना १९ :३८-४२)

४२ सांझ होइ गइ अउर सबित क पहिले क, उ तैयारी क दिन रहा। ४३ एह बरे अरिमतिया क यूसुफ आइ। उ यहूदी महासभा क सम्मानित सदस्य रहा अउर परमेस्सर क राज्य आवइ क बाट जोहत रहा। हिम्मत क साथ उ पिलातुस क नगिचे गवा अउर ओसे ईसू क सरीर माँगेस।

४४ पिलातुस क भारी अचरज भवा कि उ एँतनी हाली कइसे मरि गवा। उ सेना क अधिकारी क बोलाएस अउर ओसे पूछेस, का ओका मरे भए ढेर देर होइ ग अहइ? ४५ फिन जब उ सेना क अधिकारी स बयान सुनि लिहस तउ यूसुफ क सरीर दइ दिहस।

४६ फिन यूसुफ सने मलमल क थोड़ स कपरा बेसहेस, ईसू क क्रूस स तरखाले उतारेस, ओकरे सरीरे क कपरा मँ लपेटेस अउर ओका कब्र मँ रख दिहेस जेका चट्टाने क काटि क बनावा गवा रहा। अउर फिन कब्रे क मुँहे प एक बड़वार पाथर ढकेलिके टिकइ दिहेस। ४७ मरियम मगदलीनी अउर योसेस क महतारी निहारत रहीं कि ईसू क कहाँ रखा ग अहइ।

ईसू क फिन स जी जाब

(मत्ती २८ :१-८ ; लूका
२४ :१-१२ ; यूहन्ना २० :१-१०)

१६ १ सबित क दिन बीत गए प मरियम मगदलीनी, सलोमी अउर याकूब क महतारी मरियम क सरीरे पर लगावइ बरे सुगन्धि खरीदेस। २ हफता क पहिले दिन भिंसारे सूरज निकरत ही उ पचे कब्र प गइन। ३ उ पचे आपुस मँ कहत रहीं, "हमरे बरे कब्र क दुआरे स कउन पथरवा क सरकाइ?"

¶१५ :२८ कछू यूनानी प्रतियन मँ पद २८ जोड़ा गवा अहइ : "तब पवित्तर सास्तर कहत ह, 'उ डाकुअन क संग गना गेवा।

§१५ :३४ उद्धृत भजन. २२ :१

४ फिन जब उ पचे आँखियाँ खोलि के निहारेन
कि उ बहोतइ बड़वार पाथर हुवाँ स टरि गवा
अहइ। तब उ देखिन कि पाथर हुआँ स दूर लुढ़क
गवा। ५ फिन जब उ पचे कब्र क भीतर गइन
तो निहारेन कि उज्जर कपरा पहिरे एक नउजवान
दाहिन कइँती बइठा अहइ। वे पचे डेराइ गइन।
६ फिन नउजवान ओनसे कहेस, "जिन डेरा, तु
सबइ जउन नासरी क ईसू खोजति अहा, जेका
क्रूस प चढ़ाइ गवा अहइ, उ जी उठा बाटइ। उ
हियाँ नाहीं बाटइ। इ ठउर क लखा जहाँ उ पचे
ओका धरेन ह। ७ अब तू जा अउर ओनके चेलन क
अउर पतरस स कहा, 'उ तोसे पहिले गलील जात
बाटइ। जइसा कि उ तोसे कहे रहा, उ तोहका हुवँइ
मिली।'"
८ तब डर अउर अचरजि मँ आइके उ पचे कब्र
स बाहेर निकरिके पराइ गइन। उ सबइ कउनो क
कछू नाहीं बताएन काहेकि उ पचे बहोतइ घबराइ
गइ रहिन। **

कछू चेलन क ईसू क दरसन

(मत्ती २८ :९-१० ; यूहन्ना
२० :११-१८ ; लूका २४ :१३-३५)

९ हफ्ता क पहिले दिन भिंसारे जी उठइ क
पाछे उ सबन त पहिले मरियम मगदलीनी क
समन्वा परगट भवा जेका उ सात दुस्ट आतिमन
स छोड़वाएस। १० उ ईसू क संगिन जउन सोक मँ
बूड़ा रहेन, खुबइ रोवत रहेन, जाइके बताएस।
११ जब उ पचे सुनेन कि ईसू जीवित अहइ अउर
उ ओका देखेस ह तउ पचे बिसवास नाहीं किहेन।
१२ एँकरे पाछे ओनमाँ स दुइनउँ क समन्वा जब
उ पचे खेतन मँ जात जात राहे मँ रहेन, एक ठु
दूसर रूप धइके परगट भवा। १३ उ पचे लौटि के
दूसर चेलन क भी एँकर खबर दिहन मुला उ सबइ
ओकर बिसवास नाहीं किहेन।

प्रेरितन स ईसू क बातचीत

(मत्ती २८ :१६-२० ; लूका २४ :३६-४९ ; यूहन्ना
२० :१९-२३ ; प्रेरित क काम १ :६-८)

१४ पाछे, जब ओकर गियारह प्रेरितन खाना
खात रहेन, उ ओनके समन्वा परगट भवा अउर
उ ओनके बिसवास न करइ के अउर मनवा क जर
होइ जाइ के डाटेस फटकारेस काहेकि इ पचे ओकर
बिसवास नाहीं किएन जउन ओका जी उठइ के बाद
लखेन।
१५ फिन उ ओनसे कहेस, "जा अउर समूची
दुनिया क मनइयन क सुसमाचार क उपदेस द्या।
१६ जउन कउनो बिसवास करत ह अउर बपतिस्मा
लेत ह, ओकर बचावा होई अउर जउन बिसवास
न करी, उ दोखी माना जाइ। १७ जउन मोरे मँ
बिसवास करिहीं, ओनमाँ इ चीन्हा होइहीं ; उ मोरे
नाउँ प दुस्ट आतिमन क बाहेर खदेरिहीं उ सबइ
नई नई भाखा बोलिहीं। १८ उ पचेन आपन हाथन
स सांपन क पकरि लेइहीं अउर जदि उ पचे बिख पी
जइहीं तउ ओनका नेसकान न होई, उ पचे रोगिन्प
आपन हाथ धरिहीं अउर उ पचे चंगा होइ जइहीं।"

ईसू क सरगे मँ लौटुउँब

(लूका २४ :५०–५३ ; प्रेरितन क काम १ :९–११)

१९ इ तरह जब पर्भू ईसू ओनसे बात कइ चुकेस
तउ ओका सरगे मँ उठा लीन्ह गवा। उ परमेस्सर
क दाहिन कइँती बइठ गवा। २० ओकर चेलन बाहेर
जाइके सब ठउरन मँ सुसमाचार दिहन कि ओनके
संग पर्भू काम करत रहा। पर्भू बचन क अद्भुत
कारजन करइ क सक्ति क संग लइके सच साबित
किहेस।

**१६ :८ मरकुस किताबे क कछू यूनानी प्रतियन मँ आठइ क पाछे गनती नाहीं बा।